twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | रविवार, 04 मई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 177, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा: मोदी

आतंकियों के मददगारों को नहीं छोड़ेंगे: पीएम मोदी

नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति राष्ट्रपति लौरेंको और अंगोला की संवेदनाओं के लिए मैंने उनका आभार व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद हाउस में अंगोला के राष्ट्रपति लौरेंको के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद संबोधन में यह बात कही। आतंकवाद के मुद्दे पर बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हम एकमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों के प्रति राष्ट्रपति लोरेंसू और अंगोला की संवेदनाओं के लिए मैंने उनका आभार व्यक्त किया। हम आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों के खिलाफ ठोस और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में अंगोला के समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों की ओर से, मैं अंगोला को अफ्रीकन यूनियन की अध्यक्षता के लिए शुभकामनाएं देता हूं। हमारे लिए यह गौरव की बात है कि भारत की जी 20 अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकन यूनियन को जी 20 की स्थायी सदस्यता मिली। भारत और अफ्रीका के देशों ने कोलोनियल शासन के खिलाफ एक सुर में आवाज उठाई थी। एक दूसरे को प्रेरित किया था। ग्लोबल साउथ के हितों, उनकी आशाओं, अपेक्षाओं और आकांक्षाओं की आवाज बनकर एक साथ खड़े रहे हैं।

'एनआईए करे सुहास शेट्टी केस की जांच...,'

बेंगलुरु (कर्नाटक)

भारतीय जनता पार्टी के नेता और सांसद बृजेश चौटा ने गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने सुहास शेट्टी मर्डर केस की जांच राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी को सौंपने की अपील की है।

बृजेश चौटा ने अपने पत्र में बताया कि सुहास शेट्टी की दर्दनाक मौत ने पूरे कर्नाटक को हिलाकर रख दिया है। इस केस की निष्पक्ष और सख्ती से जांच होनी चाहिए।

बृजेश चौटा की मांग

बृजेश चौटा ने गृह मंत्रालय को लिखे खत में कहा कि "मैं यह खत आपका ध्यान एक ऐसे खौफनाक मर्डर केस की तरफ आकर्षित करने के लिए लिख रहा हूं, जिसने पूरे कर्टनाक को हिलाकर रख दिया है। श्लढ कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की 1 मई 2025 की शाम बेरहमी से हत्या कर गी गई। बेशक यह घटना एक छोटे से इलाके में हुई है, लेकिन यह देश में बढ़ती राष्ट्र विरोधी गतिविधियों की तरफ इशारा करती है।"

कोलंबो जा रही उड़ान में आतंकियों की आशंका पर तलाशी, कोई संदिग्ध नहीं मिला

कोलंबो

पिछले महीने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद भारत से प्राप्त खुफिया इनपुट के आधार पर चेन्नई से कोलंबो पहुंची श्रीलंकन एयरलाइंस की उड़ान संख्या यूएल 122 की भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को व्यापक सुरक्षा जांच की गई। सूत्रों के अनुसार, चेन्नई एयरपोर्ट पर सुरक्षा एजेंसियों को एक ईमेल प्राप्त हुआ जिसमें दावा किया गया कि लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े कुछ आतंकी इस फ्लाइट में सवार हैं। हालांकि यह सूचना उड़ान के रवाना हो जाने के बाद मिली, जिसके बाद कोलंबो में विमान के पहुंचने पर तत्काल सुरक्षा बढ़ा दी गई और पूरी जांच की गई। श्रीलंकन एयरलाइंस ने एक आधिकारिक बयान में पुष्टि की कि फ्लाइट यूएल 122, जो दोपहर 11:59 बजे कोलंबो पहुंची, को स्थानीय अधिकारियों के सहयोग से सुरक्षा जांच के लिए रोका गया। विमान की गहन जांच के बाद किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति नहीं पाया गया और विमान को आगे की उड़ानों के लिए क्लियर कर दिया गया।

पड़ोसी देश पाकिस्तान से आयात पर पूरी तरह से रोक

नई दिल्ली

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ एक और कदम उठाते हुए वहां से होने वाले आयात पर पूरी तरह से रोक लगा दिया है। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड (डीजीएफटी) की ओर से साफ किया गया है कि पाकिस्तान से होने वाले आयात पर प्रतिबंध राष्ट्रीय सुरक्षा और जनहित को ध्यान में रखते हुए लगाया गया है।

वाणिज्य मंत्रालय की ओर से इस संबंध में जारी किए गए नोटिफिकेशन के अनुसार फॉरेन ट्रेड पॉलिसी 2023 में एक नया प्रावधान जोड़ा गया है। इस प्रावधान के तहत पाकिस्तान से प्रत्यक्ष या परोक्ष किसी भी तरह से इंपोर्ट या ट्रांजिट पर अगले आदेश तक के लिए पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस प्रतिबंध से किसी भी तरह की छूट के लिए भारत सरकार से मंजूरी लेनी होगी?। फॉरेन ट्रेड पॉलिसी 2023 में 'पाकिस्तान से आयात पर प्रतिबंध' शीर्षक वाले नए प्रावधान में कहा गया है कि "पाकिस्तान से आयात या निर्यात किए जाने वाले सभी सामानों के प्रत्यक्ष या परोक्ष इंपोर्ट या ट्रांजिट (पारगमन), चाहे वे स्वतंत्र रूप से आयात योग्य हों या किसी अन्य प्रकार से अनुमत हों, तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक प्रतिबंधित रहेगा।" भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त कूटनीति कदम उठाए, जिसमें पाकिस्तानी नागरिकों के लिए सार्क वीजा छूट योजना को रद्द करने, पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों को निष्कासित करने, सिंधु जल संधि को निलंबित करने और अटारी बॉर्डर पर इंटीग्रेटेड चेकपोस्ट को बंद करने जैसे कदम भी शामिल थे।

भारतीय बंदरगाहों पर पाकिस्तानी जहाजों की एंट्री पर प्रतिबंध, डाक सेवाएं भी निलंबित

नई दिल्ली

भारत सरकार के नौवहन महानिदेशालय ने किसी भी पाकिस्तानी जहाज के भारत के किसी भी बंदरगाह पर ठहरने पर प्रतिबंध लगा दिया है। साथ ही किसी भी भारतीय जहाज को पाकिस्तान के बंदरगाहों पर जाने से रोक लगा दी है। मर्चेंट शिपिंग एक्ट, 1958 की धारा 411 के तहत आज आदेश (3 मई 2025) जारी किया गया और यह तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। नौवहन महानिदेशालय का कहना है कि यह कदम राष्ट्रीय हित, समुद्री परिसंपत्तियों, माल और बंदरगाही अवसंरचना की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया है। आदेश में कहा गया है कि किसी विशेष मामले में छूट की आवश्यकता होगी तो उसका मूल्यांकन अलग से किया जाएगा। वहीं, संचार मंत्रालय के डाक विभाग ने एक सार्वजनिक सूचना जारी की है, जिसमें पाकिस्तान से आने वाली सभी श्रेणियों की इनबाउंड डाक और पार्सल सेवाओं को निलंबित करने का निर्णय लिया गया है। यह रोक वायु और सतह दोनों मार्गों से लागू होगी। सरकार के इस फैसले के बाद अब पाकिस्तान से कोई पत्र, पार्सल या अन्य डाक सामग्री भारत नहीं आ सकेगी। उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त कदम उठाए।

निजी स्कूलों की मनमानी फीस वसूली पर लगाम लगाएगा नया कानून : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि निजी स्कूलों की मनमानी फीस वसूली पर नया कानून लगाम लगाएगा। उन्होंने कहा कि निजी स्कूलों की मनमानी फीस बढ़ोतरी पर नकेल कसने के लिए दिल्ली स्कूल एजुकेशन ट्रांसपेरेंसी इन फिक्सेशन एंड रेगुलेशन ऑफ फीस 2025 के रूप में दिल्ली सरकार ऐतिहासिक विधेयक लेकर आई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि जल्द ही विधानसभा का सत्र बुलाकर इस विधेयक को पास करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और शिक्षा मंत्री आशीष सूद का आभार व्यक्त करने के लिए शनिवार को दिल्ली सचिवालय में दिल्ली के विभिन्न निजी स्कूलों में पढ़े रहे छात्रों के सैकड़ों अभिभावक पहुंचे। अभिभावकों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 27 वर्षों से दिल्ली के अभिभावकों के साथ निजी स्कूल मनमानी फीस बढ़ाकर अन्याय कर रहे थे। निजी स्कूल मनमाने ढंग से फीस बढ़ाते रहे और पिछली सरकारों के पास ऐसा कोई स्पष्ट कानून या दिशा-निर्देश ही नहीं था, जिससे मनमानी फीस पर लगाम लगाई जा सके।

वंदे भारत के उद्घाटन के दौरान हमले का था प्लान, मौका न मिलने पर पहलगाम में मचाया आतंक

नई दिल्ली/श्रीनगर

पहलगाम हमले से कुछ दिन पहले खुफिया एजेंसियों ने पर्यटकों को निशाना बनाए जाने की आशंका जताई थी। इनपुट पर तलाशी अभियान भी चलाया गया। 22 अप्रैल को ही अभियान बंद हुआ और उसी दिन हमला हो गया।

पर्यटकों को निशाना बनाए जाने की थी आशंका

खुफिया एजेंसियों ने पहलगाम हमले से पहले जबरवान की पहाड़ियों के दामन में स्थित होटलों में ठहरे पर्यटकों को निशाना बनाए जाने की आशंका जताई थी। इसके बाद श्रीनगर के बाहरी इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई। दाछिगाम, निशात और आसपास के इलाकों में श्रीनगर में डेरा डाले शीर्ष पुलिस अधिकारियों की देखरेख में तलाशी अभियान चलाए गए। पिछले साल अक्तूबर में सोनमर्ग के गगनगीर में एक निर्माण स्थल पर हुए आतंकी हमले के बाद इन इलाकों पर ध्यान गया और सुरक्षाबलों ने गश्त बढ़ा दी थी। इस हमले में एक डॉक्टर समेत सात लोग मारे गए थे। यह इलाका जबरवान रेंज के दूसरी तरफ स्थित है, जहां से श्रीनगर शहर दिखता है।

दो हफ्ते चला तलाशी अभियान

दो सप्ताह के अभियान के बावजूद सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर श्रीनगर के बाहरी इलाकों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया लेकिन इन प्रयासों से कोई सफलता नहीं मिली। 22 अप्रैल को अभियान बंद कर दिया गया और उसी दिन आतंकवादियों ने पहलगाम क्षेत्र में पर्यटकों को निशाना बनाया।

विज्ञापन

2 साल बाद भी क्यों नहीं थम रही मणिपुर हिंसा

7000 से ज्यादा लोग घर छोड़ने पर मजबूर

इंफाल

कभी एक सफल बिजनेसमैन रहे जी किपजेन अब बेरोजगार हैं। उनके ऊपर तीन बच्चों के पालन पोषण की जिम्मेदारी है। हालांकि, वो बस इंतजार में हैं कि कब मणिपुर के हालात सामान्य होंगे और वो अपने घर इंफाल पहुंच सकेंगे। यह कहानी सिर्फ जी किपजेन की नहीं बल्कि उनकी तरह मणिपुर हिंसा के डर से घर छोड़कर भागे हजारों लोगों की है, जो घर वापसी का बाट जोह रहे हैं। मणिपुर हिंसा को 2 साल पूरे हो चुके हैं। हजारों लोग हिंसा के डर से घर छोड़कर कैंप में रह रहे हैं। सभी को उम्मीद है कि जल्द ही मणिपुर के हालात सही होंगे और वो अपने घर वापस लौट सकेंगे।

क्या है हिंसा की वजह?

मणिपुल में हालात इस कदर बिगड़े की मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को इस्तीफा देना पड़ा और इसी साल फरवरी में केंद्र सरकार ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया। मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले मैतई समुदाय के लोग अलग प्रशासन की मांग कर रहे हैं। तो वहीं बहुसंख्यक कुकी समुदाय के लोगों का कहना है कि राज्य में ठफ्ढ लागू करके अवैध शरणार्थियों को बाहर निकाला जाए।

क्यों नहीं थम रही हिंसा?

केंद्र सुरक्षा एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, मणिपुर में दो समुदायों के बीच भड़की इस हिंसा की कमान कुछ सशस्त्र समूह के हाथों में है और वो इस हिंसा को लगातार बढ़ावा दे रहे हैं। उन्हें मणिपुर के आम लोगों की भी चिंता नहीं है। इंफाल घाटी में किडनैपिंग और हाईवे पर अवैध तरीके से गाड़ियां रुकवा कर पैसे लिए जा रहे हैं।

राष्ट्रद्रोही कांग्रेस अब राम द्रोह पर उतारू: बीजेपी

राहुल ने भगवान राम को बताया काल्पनिक सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में एक वीडियो शेयर किया

नई दिल्ली

भाजपा ने कांग्रेस पार्टी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में एक वीडियो शेयर किया है।

जिसके शुरूआत में कांग्रेस नेता राहुल गांधी भगवान राम पर टिप्पणी करते हुए सुने जा सकते हैं। इसके बाद भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला राहुल गांधी और कांग्रेस पर कई आरोप लगाते दिख रहे हैं।

'राष्ट्रद्रोही कांग्रेस अब राम द्रोह पर उतारू'

इसके साथ भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पोस्ट में लिखा- राष्ट्र द्रोही कांग्रेस, अब राम द्रोही कांग्रेस, राहुल गांधी कहते हैं कि प्रभु राम पौराणिक या काल्पनिक हैं।

इस तरह और क्यों उन्होंने राम मंदिर का विरोध किया और प्रभु राम के अस्तित्व पर भी संदेह जताया।

रूस की विक्टरी डे परेड में शामिल नहीं होंगे राजनाथ

नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रूस द्वारा नौ मई को मॉस्को में आयोजित विक्टरी डे परेड में शामिल नहीं होंगे और उनके स्थान पर रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ वहां भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। मॉस्को में नौ मई को आयोजित होने वाले समारोह में रक्षा राज्य मंत्री सेठ को भेजने का कदम पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर भारत व पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर उठाया गया है।

जर्मनी पर सोवियत विजय की याद में कार्यक्रम

रूस ने द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी पर सोवियत विजय की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर होने वाली विक्टरी-डे परेड के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित किया था, लेकिन यह निर्णय लिया गया कि रक्षा मंत्री राजनाथ इसमें शिरकत करेंगे।

एसवाईएल और पानी के मुद्दे पर मुख्यमंत्री सैनी का पंजाब सरकार पर तीखा हमला

भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड की बैठक के बाद हरियाणा तय करेगा अपनी रणनीति

चंडीगढ़

हरियाणा और पंजाब के मध्य चल रहे जल विवाद पर आज मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक हुई, जिसमें हरियाणा के हितों की सुरक्षा के लिए सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास करके पंजाब सरकार से आग्रह किया गया कि बीबीएमबी की तकनीकी समिति के 23 अप्रैल, 2025 के तथा बीबीएमबी बोर्ड के 30 अप्रैल, 2025 के फैसलों को बिना शर्त लागू किया जाए। हरियाणा को मिलने वाले पानी के हिस्से पर लगाई गई अमानवीय, अनुचित, अवैध एवं असंवैधानिक रोक को तुरंत हटाया जाए। सर्वदलीय बैठक में कैबिनेट मंत्री अनिल विज, रणबीर गंगवा, श्याम सिंह राणा, श्रीमती श्रुति चौधरी, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली, कांग्रेस पार्टी की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष उदयभान, इनेलो पार्टी की ओर से प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा व विधायक आदित्य देवीलाल, जजपा पार्टी की ओर से पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला व पूर्व विधायक अमरजीत ढांडा, आम आदमी पार्टी से सुशील गुप्ता, बीएसपी से कृष्ण जमालपुर, सीपीआई (एम) से ओमप्रकाश और मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर मौजूद रहे। बैठक के दौरान मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने पिछले 10 सालों के आंकड़े प्रस्तुत कर जल वितरण की जानकारी सांझा की। इसके बाद सभी नेताओं ने विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान सभी नेताओं ने हरियाणा में पीने के पानी के संबंध में उभरे जल संकट पर चिंता व्यक्त की और पंजाब द्वारा हरियाणा के हिस्से के पानी को रोकने को असंवैधानिक बताया। सभी नेताओं ने कहा कि पंजाब सरकार तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर भ्रामक प्रचार कर रही है। हरियाणा कोई अतिरिक्त पानी की मांग नहीं कर रहा है और न ही पंजाब के हिस्से का पानी मांग रहा है। हरियाणा तो उसे हर साल मिलने वाले पानी के अपने हिस्से को पूरा देने की मांग कर रहा है, जोकि अभी पंजाब द्वारा गैर-कानूनी तरीके से रोक दिया गया है। पंजाब के मुख्यमंत्री का कहना कि हरियाणा ने अपने कोटे का पूरा पानी इस्तेमाल कर लिया है, यह प्रचार भी गलत है। वास्तविकता यह है कि डैम के पानी में कोई कोटा नहीं होता, बल्कि डैम में पानी की उपलब्धता के आधार पर राज्यों को पानी का वितरण तय किया जाता है। हरियाणा द्वारा अपने पानी के हिस्से को पूरा मांगने से न तो पंजाब का पानी कम हो रहा है और न ही डैम में पानी कम हो रहा है। सभी नेताओं ने एक मत से कहा कि हरियाणा की जनता के हित में और उसके हिस्से का पूरा पानी लेने के लिए हम हरियाणा सरकार के साथ हैं। पिछले 10 सालों में पंजाब व हरियाणा को दिए गए पानी का ब्यौरा देते हुए नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब ने हर साल अपने हिस्से से काफी ज्यादा पानी का उपयोग किया है।

पाकिस्तान को सबक सिखाए सरकार, दिखावे की कार्रवाई बंद करें : राशिद अल्वी

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी ने ने पाकिस्तान से जुड़े हालिया घटनाक्रमों पर खुलकर राय रखी और केंद्र सरकार पर जुबानी हमला किया। अल्वी ने कहा कि सरकार जो कदम उठा रही है, वह सिर्फ दिखावे के लिए हैं। इससे देश की जनता को संतुष्टि नहीं मिल सकती। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के यूट्यूब चैनल पर भारत में बैन और मंत्री तरार के 'एक्स' अकाउंट ब्लॉक होने पर प्रतिक्रिया देते हुए अल्वी ने कहा कि सरकार जो मुनासिब समझे, करे। लेकिन, देश के लोग चाहते हैं कि बदला लिया जाए। सुषमा स्वराज कहा करती थीं कि अगर एक भारतीय मारा जाएगा, तो हम बदले में दस सिर लाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद भी यही कहते थे, तो आज पूरा देश इंतजार कर रहा है कि किस तरीके से पाकिस्तान को सबक सिखाया जा सकता है।

सर्जिकल स्ट्राइक पर चरणजीत सिंह चन्नी के बयान को लेकर पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि आज जो देश का माहौल है, जिस तरीके से पहलगाम में हमारे भाइयों का कत्लेआम हुआ है, उस माहौल में इस तरह के सवाल उठाना बिल्कुल अनुचित है। पूरा भारत आज इंतजार कर रहा है कि सरकार उन 26 लोगों की शहादत का बदला कैसे लेगी। सरकार ने जो कदम उठाए हैं, वह केवल छोटे-छोटे कदम हैं। अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि सरकार इस संवेदनशील मुद्दे को जाति जनगणना के मुद्दे से कमतर कर रही है। भाजपा द्वारा कांग्रेस पर सेना का मनोबल तोड़ने के आरोपों पर राशिद अल्वी ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि 1965 में जब हमारी फौज लाहौर तक पहुंच गई थी, तब भाजपा कहां थी? 1971 में जब हमने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए थे, तब भी कांग्रेस की सरकार थी। फौज भारत की है, किसी पार्टी की नहीं।

ऐसे मौके पर भाजपा को देश को बांटने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। इसके अलावा, अल्वी ने सीडब्ल्यूसी को पीडब्ल्यूसी (पाकिस्तान वर्किंग कमेटी) कहने पर भाजपा को घेरा। उन्होंने सवाल किया कि बिना प्रोटोकॉल के नवाज शरीफ के यहां बिरयानी खाने कौन गया था? आज जब देश दुख में डूबा है, तब भाजपा को कांग्रेस से नहीं, पाकिस्तान से लड़ने पर ध्यान देना चाहिए। उनके बयान से लगता है कि वो पहलगाम की घटना को कमजोर कर कांग्रेस से लड़ाई लड़ना चाहते हैं। देश यह माफ नहीं करेगा।पाकिस्तानी मंत्री ख्वाजा आसिफ के भारत सिंधु नदी रोकेगा तो हम हमला करेंगे वाले बयान पर अल्वी ने इतिहास की याद दिलाते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान के नेता इतिहास पढ़ें, तो ऐसे बयान नहीं देंगे। 1965 में हम लाहौर पर कब्जा करने वाले थे, अगर सीजफायर नहीं हुआ होता। 1971 में पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए। कारगिल में हमने उन्हें धूल चटा दी थी। ये सब इतिहास है। उनके बयान गीदड़ भभकी से ज्यादा कुछ नहीं। बिलावल भुट्टो के हालिया बयान पर भी राशिद अल्वी ने टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि यह सबको पहले से पता है कि पाकिस्तान का आतंकवाद से गहरा रिश्ता है। जब कसाब पकड़ा गया था, तब भी पाकिस्तान मना कर रहा था, लेकिन हमने दुनिया को दिखाया कि आतंकवाद की जड़ें कहां हैं।

दलित व ओबीसी के प्रति कांग्रेस का प्रेम विश्वास से परेः मायावती

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने जातीय गणना का श्रेय लेने को लेकर कांग्रेस पर करारा प्रहार किया है।उन्होंने शनिवार को एक्स के माध्यम से कहा कि सन् 1931 व आज़ादी के बाद पहली बार देश में जातीय गणना कराए जाने का फैसला हुआ है। केन्द्र के इस निर्णय का श्रेय लेने में कांग्रेस यह भूल गयी कि दलित व ओबीसी समाज के करोड़ों लोगों को आरक्षण सहित उनके संवैधानिक हक़ से वंचित रखने में उसका इतिहास काला अध्याय है। इस कारण उसे सत्ता भी गंवानी पड़ी है। किन्तु सत्ता

विहीन होने के बाद कांग्रेस नेतृत्व का खासकर दलित व ओबीसी समाज के प्रति नया उभरा प्रेम विश्वास से परे है। साथ ही इन वर्गों के वोट के स्वार्थ की खातिर छलावा की अवसरवादी राजनीति भी है। वैसे भी आरक्षण को निष्क्रिय बनाकर अन्ततः इसको खत्म करने की इनकी नापाक मंशा को कौन भुला सकता है। मायावती ने कहा कि वैसे आरक्षण व संविधान के जनकल्याणकारी उद्देश्यों को फेल करने में भाजपा भी कांग्रेस से कम नहीं, बल्कि दोनों एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं। किन्तु अब वोटों के स्वार्थ व सत्ता के मोह के कारण भाजपा को भी जातीय गणना की जन अकांक्षा के आगे झुकना पड़ा है, जिसका स्वागत है। साथ ही संविधान निर्माता बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को भारत रत्न से सम्मानित करने से लेकर धारा 340 के तहत ओबीसी को आरक्षण देने जैसे अनेकों मामलों में कांग्रेस व भाजपा का रवैया जातिवादी व द्वेषपूर्ण रहा है। इनके वोट की राजनीति के खेल निराले हैं। लोग सावधान रहें।

अंगोला के राष्ट्रपति लौरेंको का राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को भारत की चार दिवसीय यात्रा पर आए अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको का राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में औपचारिक स्वागत किया। राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत के बाद लौरेंको ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। वहीं विदेश मंत्री

एस जयशंकर ने अंगोला के राष्ट्रपति लौरेंको से मुलाकात की। यह राष्ट्रपति लौरेंको की भारत की पहली द्विपक्षीय राजकीय यात्रा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पोस्ट पर कहा कि भारत-अंगोला ग्लोबल साउथ पार्टनर का विशेष स्वागत। अंगोला के राष्ट्रपति लौरेंको को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में पहुंचने पर 21 तोपों की सलामी और गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राष्ट्रपति मुर्मु, राष्ट्रपति भवन और प्रधानमंत्री मोदी ने गर्मजोशी से स्वागत किया। विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पोस्ट में कहा कि भारत की राजकीय यात्रा के दौरान अंगोला के राष्ट्रपति लौरेंको से मुलाकात कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। भारत के प्रति उनकी गर्मजोशी भरी भावनाओं और हमारी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए उनके मार्गदर्शन की मैं सराहना करता हूं। मुझे विश्वास है कि आज प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी बातचीत भारत-अंगोला और भारत-अफ्रीका संबंधों के लिए विकास के नए रास्ते खोलेगी।

चरणजीत चन्नी पर भाजपा का पलटवार, कहा-पाकिस्तान की सेना और आतंकवादियों को ऑक्सीजन सप्लाई कर रही कांग्रेस

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी के कल के बयान पर आपत्ति जताते हुए कठोर टिप्पणी की है। भाजपा ने आज कहा कि कांग्रेस हर समय और हर मौके पर पड़ोसी पाकिस्तान के आतंकवादियों और वहां की सेना को ऑक्सीजन सप्लाई करती है। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भले ही आतंकी हमलों को कांग्रेस गंभीरता से न लेती हो, भले ही देश की जनता की भावनाओं को कांग्रेस, राहुल गांधी और सोनिया गांधी न समझते हों। मगर उन्हें यह अधिकार नहीं है कि देश की सेना के मनोबल को बार-बार गिराएं। देश की संवेदनाओं के साथ खिलवाड़ करें। उन्होंने कहा कि पहलगाम में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी हमले से पूरे देश में गम का माहौल है। उन्होंने कहा कि कल कांग्रेस

वर्किंग कमेटी की मीटिंग में कुछ प्रस्ताव पारित हुए। इसके फौरन बाद कांग्रेस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसे महत्वपूर्ण राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने संबोधित किया। चन्नी ने इस दौरान 2019 के पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ की गई भारत की सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाए। पात्रा ने कहा कि चन्नी ने अपने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक हुई ही नहीं। भाजपा नेता ने कहा कि भारतीय सेना की सर्जिकल स्ट्राइक से पाकिस्तान में खलबली मच गई थी।

भारत आतंकवादियों और उनके समर्थकों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करेगा : प्रधानमंत्री पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'आतंकवाद के खिलाफ हमारे रुख में हम पूरी तरह एकजुट हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एक बार फिर कहा कि भारत आतंकवाद और इसका समर्थन करने वालों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। उनका यह बयान पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच आया। हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी और कई घायल हुए थे। अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'आतंकवाद के खिलाफ हमारे रुख में हम पूरी तरह एकजुट हैं। मैं पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति सहानुभूति जताने के लिए राष्ट्रपति लौरेंको और अंगोला के लोगों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'हम आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों के खिलाफ दृढ़ और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अंगोला के समर्थन के लिए उसे धन्यवाद देते हैं।'

आतंकियों ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में एक लोकप्रिय

पर्यटन स्थल - पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में लोगों (ज्यादातर पर्यटक) पर गोलियां चला दी थीं। हमले में 26 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। प्रतिबंधित आतंकवादी समूह 'लश्कर-ए-तैयबा' से जुड़े 'टीआरएफ' ने इस हमले की जिम्मेदारी ली। चार भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने पहलगाम में क्रूर हमला किया था। प्रतिबंधित आतंकवादी समूह 'लश्कर-ए-तैयबा' से जुड़े 'टीआरएफ' ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। हमलावरों में से दो पाकिस्तानी नागरिक होने की पुष्टि हुई है।

22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत सरकार ने तुरंत 23 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समिति (सीसीएस) की बैठक बुलाई। इस नरसंहार के बाद पाकिस्तान के खिलाफ कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए।भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित करने की घोषणा की और अटारी सीमा को बंद करने का आदेश दिया। इसके साथ ही पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी वीजा रद्द कर दिए, पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों और एक्स हैंडलों पर व्यापक कार्रवाई शुरू कर दी, उच्चायोग के कर्मचारियों की संख्या में और कटौती का आदेश देकर राजनयिक संबंधों को कमतर कर दिया, कई राजनयिकों को प्रभावी रूप से इस्लामाबाद वापस भेज दिया गया। सीसीएस बैठक के बाद एक सख्त संदेश में, प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ सख्त चेतावनी जारी की। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ देश के आक्रामक रुख को रेखांकित करते हुए कहा, 'हम हर आतंकवादी और उसके समर्थकों की पहचान करेंगे, उनका पता लगाएंगे और उन्हें दंडित करेंगे। हम उन्हें धरती के अंत तक खदेड़ेंगे।'

पाकिस्तानी झंडे वाले जहाजों की भारतीय बंदरगाहों में 'नो एंट्री'

मोदी सरकार का बड़ा फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली। पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय ने पाकिस्तानी झंडे वाले जहाजों के भारतीय बंदरगाहों में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके साथ ही भारतीय झंडे वाले जहाजों के पाकिस्तान के बंदरगाहों पर जाने पर रोक लगा दी है। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त कदम उठाए नवीनतम आदेश इसी सिलसिले की एक कड़ी है। ये प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से मर्चेंट शिपिंग अधिनियम, 1958 की धारा 411 के तहत भारतीय परिसंपत्तियों, कार्गो और बंदरगाह अवसंरचना की सुरक्षा के लिए लगाए गए हैं। मंत्रालय की तरफ से जारी आदेश में कहा गया, 'अधिनियम का

उद्देश्य राष्ट्रीय हितों की पूर्ति के लिए सर्वोत्तम तरीके से भारतीय व्यापारिक नौवहन के विकास को बढ़ावा देना और उसका कुशल रखरखाव सुनिश्चित करना है। सुरक्षा को मजबूत करने और भारत के समुद्री हितों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के प्रयासों के तहत यह आदेश अगली सूचना तक लागू रहेगा। आदेश के मुताबिक, पाकिस्तान का झंडा लगे जहाज को किसी भी भारतीय बंदरगाह पर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी और भारतीय झंडा लगे जहाज को पाकिस्तान के किसी भी बंदरगाह पर जाने की अनुमति नहीं मिलेगी। इसमें यह भी कहा गया कि आदेश से किसी भी छूट की जांच की जाएगी और मामले-दर-मामला आधार पर निर्णय लिया जाएगा। इससे पहले भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पड़ोसी देश के साथ बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान से सभी प्रकार के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष आयात पर प्रतिबंध लगा दिया। वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, ÷पाकिस्तान में उत्पन्न या वहां से निर्यातित सभी वस्तुओं का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात या पारगमन, चाहे वे स्वतंत्र रूप से आयात योग्य हों या अन्यथा अनुमत हों।

दिल्ली-एनसीआर में आंधी-तूफान का कहर, मौसम विभाग ने फिर दी चेतावनी

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली, एनसीआर और उत्तर भारत के कई इलाकों में आंधी-तूफान ने व्यापक तबाही मचाई। तेज हवाओं और गरज के साथ हुई बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। इस भीषण तूफान में अब तक कई लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। राजधानी दिल्ली में सैकड़ों पेड़ उखड़ गए, बिजली के खंभे गिर गए और सड़कों पर जाम की स्थिति बन गई। इसके अलावा, इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 200 से अधिक उड़ानें या तो रद्द की गईं या फिर घंटों देरी से चलीं, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा।मौसम विभाग के अनुसार, यह मौसम का बदलाव पश्चिमी विक्षोभ के कारण आया है, जिससे तेज़ हवाओं के साथ गरज-चमक और बारिश की स्थिति बनी हुई है। आज, 3 मई को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस जबकि अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

विभाग ने चेतावनी दी है कि आज भी दिल्ली और आसपास के इलाकों में गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है। आगामी दिनों में भी मौसम का यही मिजाज बना रह सकता है। 4 मई से 6 मई तक हर दिन तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है, और इन दिनों भी ÷थंडरस्टॉर्म विद रेन÷ की चेतावनी दी गई है। 7 और 8 मई को भी बादल छाए रहेंगे और इस दिन भी बारिश होने की आशंका जताई गई है। आईएमडी की रिपोर्ट के अनुसार, अगले कुछ दिन राहत के नहीं होंगे और जनता को सतर्क रहने की आवश्यकता है। प्रशासन ने भी लोगों से अपील की है कि वे खराब मौसम के दौरान घर के अंदर रहें, पेड़ों और पुराने भवनों के पास खड़े न हों और मौसम से संबंधित अलर्ट पर ध्यान दें। जिला प्रशासन और यातायात पुलिस को भी हाई अलर्ट पर रखा गया है।

सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल खड़े कर चरणजीत सिंह चन्नी ने देश का अपमान कियाः तरुण चुघ

'चरणजीत सिंह चन्नी ने देश की एकता, अखंडता और दैवीय शक्ति का अनादर किया।'

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चरणजीत सिंह चन्नी की ओर से सर्जिकल स्ट्राइक पर मांगे गए सबूत पर विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने चन्नी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाकर न केवल सेना का बल्कि पूरे देश का अपमान किया है। शनिवार को न्यूज एजेंसी से बातचीत के दौरान तरुण चुघ ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने देश की

एकता, अखंडता और दैवीय शक्ति का अनादर किया। चन्नी का यह बयान पाकिस्तान परस्ती का जीता-जागता उदाहरण है। कुंठित मानसिकता से ग्रस्त, एक खास वोट बैंक को खुश करने के लिए कांग्रेस बार-बार देश का, देश के जांबाज सुरक्षाबलों का मनोबल तोड़ने का काम कर रही है। पाकिस्तानी मीडिया जिस भाषा का इस्तेमाल कर रही है आज कांग्रेस वही भाषा बोल रही है। शहीदों की कुर्बानी पर सवाल उठाना बताता है कि कांग्रेस आज भी वोटबैंक की राजनीति के लिए देश की अस्मिता को दांव पर लगाने से पीछे नहीं हटती है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर तरुण चुघ ने कहा कि उनका बयान हताशा, निराशा, कुंठा का प्रतीक है। कांग्रेस आतंक के मुद्दे पर घटिया राजनीति से बाज नहीं आ रही है। कांग्रेस को पहलगाम जैसे आतंकी हमले के बाद देश और सरकार के साथ खड़ा रहना चाहिए था। गिद्ध राजनीति के चलते कांग्रेस ऐसी घटिया राजनीति कर रही है।

बता दें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अगुवाई में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हुई। इस बैठक में उन्होंने दावा किया है कि वह आतंकवादियों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने के लिए केंद्र सरकार का सहयोग करेंगे। कार्यसमिति की बैठक के बाद हुई प्रेस वार्ता में चन्नी ने सर्जिकल स्ट्राइक को लेकर टिप्पणी की जिस पर भाजपा ने सख्त ऐतराज जताया।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने गोवा के शिरगांव में भगदड़ के कारण जानमाल की हानि पर शोक जताया

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गोवा के शिरगांव में धार्मिक लैराई यात्रा के दौरान मची भगदड़ के कारण हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत से बात की और स्थिति का विस्तृत जायजा लिया। प्रधानमंत्री ने उन्हें इस कठिन समय में अपना पूरा समर्थन देने की पेशकश की।राष्ट्रपति ने एक्स पोस्ट में कहा, गोवा के शिरगांव में हुई भगदड़ की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बारे में जानकर दुख हुआ, जिसमें कई लोगों की जान चली गई। मैं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पोस्ट में कहा कि शिरगांव में भगदड़ के कारण

हुई मौतों से दुखी हूं। अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है।

पहलगाम की घटना का माकूल जवाब दिया जाएगा : शेखावत

एजेंसी

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने दो टूक कहा कि भारत अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम भी है, समर्थ भी है, सशक्त भी और स्वतंत्र भी है। पहलगाम की घटना का माकूल जवाब दिया जाएगा। ये नया भारत है। घर में घुसकर मारेगा। शनिवार को जोधपुर में केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने पत्रकारों से पुलवामा हमले पर कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस में लिखा है, 'भय बिनु होय न प्रीत।' मुझे लगता है कि जब भारत ने उरी और पुलवामा के बाद सर्जिकल स्ट्राइक कर संदेश दिया था कि बाहर से हमारे विरुद्ध चलने वाली गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उसके बाद पिछले पांच-छह साल से कोई बड़ी आतंकवादी घटना नहीं हो पाई थी। ये नया भारत है। घर में घुसकर मारेगा। पहलगाम की

घटना का माकूल जवाब दिया जाएगा। पाकिस्तान के नेताओं के गौरी-गजनवी मिसाइल और एटम बम की धमकी देने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि गौरी-गजनवी तो भारत में आकर अनेक बार चोट खाकर गए थे। जब हमने एयर स्ट्राइक की थी, तब भी पाकिस्तान के पास गौरी-गजनवी मिसाइल थीं। आज से हजार साल पहले भी हमारे पूर्वजों ने इनको ठीक सबक सिखाया था। एक बार फिर गौरी-गजनवी को हमारी अग्नि और ब्रह्मोस प्रतिकूल जवाब देंगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दुनिया के देश, जिन्होंने आतंकवाद का दर्द और दंश झेला है, इस समय भारत के साथ में खड़े हैं। विश्व इस बात को स्वीकार कर रहा है कि आतंकवाद की जड़ें पाकिस्तान में पालित पोषित और सिंचित हो रही हैं। अमेरिका ही नहीं, दुनिया के सभी देश पूरी ताकत के साथ भारत के साथ हैं, लेकिन मैं ये कहूंगा कि कोई खड़ा हो या न हो, भारत अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम भी है, समर्थ भी है, सशक्त भी है और स्वतंत्र भी है। सिंधु जल संधि निलंबित करने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि पिछले सभी युद्धों के समय भी हमने सिंधु जल संधि की पवित्रता पर आंच नहीं आने दी थी, लेकिन प्रधानमंत्री जी का स्पष्ट कहना है कि अब समय आ गया है।

रेलवे ने दो नई ट्रेनों के परिचालन का किया फैसला, कार्यकारी निदेशक ने बताई खूबी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने दो नई ट्रेनों के परिचालन का फैसला किया है। रेलवे के सूचना एवं प्रचार विभाग के कार्यकारी निदेशक दिलीप कुमार ने समाचार एजेंसी इसकी जानकारी दी। उन्होंने देश में रेलवे नेटवर्क को बढ़ाने की दिशा में हो रहे कार्यों के बारे में बताया। दिलीप कुमार ने कहा, पूरे देश में रेलवे नेटवर्क की मजबूती के लिए हम प्रयासरत हैं और इसी क्रम में देश में नई सेवाओं का परिचालन लगातार किया जा रहा है। दो नई ट्रेनों को चलाने का फैसला लिया गया है। इनमें एक ट्रेन एमजीआर चेन्नई से भगत की कोठी, जोधपुर (राजस्थान) तक सप्ताह में पांच दिन चलेगी। यह सोमवार, मंगलवार, गुरुवार, शुक्रवार और रविवार को चलेगी। वहीं भगत की कोठी से वापस इस ट्रेन का परिचालन सोमवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार और रविवार को किया जाएगा। दूसरी ट्रेन सेवा जोधपुर से पुणे के बीच है। यह सप्ताह में सातों दिन चलेगी। ट्रेन के फीचर्स की तारीफ करते हुए उन्होंने बताया, ÷पहली ट्रेन एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से भगत की कोठी जाएगी। इसका नंबर 20625 (अप) और 20626 (डाउन) है। इसमें 22 कोच हैं, सभी कोच एलएचबी हैं। इसमें न सिर्फ सफर आरामदायक होगा, बल्कि एनहैंस्ड सेफ्टी फीचर्स लगे हुए हैं। ये कोच हाल ही में बनकर तैयार हुए हैं।

चन्नी के सर्जिकल स्ट्राइक का सबूत मांगने पर भाजपा नेता हमलावर, 'देश का गद्दार' बताया

नई दिल्ली। लोकसभा सांसद एवं पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के सर्जिकल स्ट्राइक का सबूत मांगने पर भाजपा हमलावर है। दिल्ली के भाजपा नेता नवीन कुमार जिंदल और भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने उन्हें देश का गद्दार करार दिया है। दरअसल, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद सबकी नजर सरकार की कार्रवाई पर है। इसी बीच, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने सरकार से 2016 में हुए सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगे, जिस पर भाजपा हमलावर है। नवीन कुमार जिंदल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स' पर चरणजीत सिंह चन्नी का वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, अभी सेना का मनोबल बढ़ाने का समय है, लेकिन कांग्रेस नेता चन्नी को देखिए... फिर सेना के शौर्य पर सवाल उठाते हुए सर्जिकल स्ट्राइक का सबूत मांग रहे हैं। ये देश के गद्दार हैं। पाकिस्तान खुद मान चुका है कि सर्जिकल स्ट्राइक हुई थी।

रूस की सेना में भर्ती हुए युवकों के परिजन विदेश मंत्रालय के डायरेक्टर से मिलेंगे

नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान रूसी सेना में शामिल हुए या लापता युवकों के परिवार के सदस्य 5 मई को दोपहर 3 बजे दिल्ली में विदेश मंत्रालय में यूरेशिया विभाग के डायरेक्टर राकेश पांडे से मुलाकात करेंगे। रूस जाकर आए परिवार के सदस्यों ने बताया है कि भारत सरकार और विदेश मंत्रालय की तरफ से उन्हें रूस में किसी भी तरह की मदद नहीं दी गई। परिजनों के मुताबिक, युद्ध के दौरान सेना में शामिल हुए या लापता हुए उनके परिवार के युवाओं और लोगों के बारे में पूरी जानकारी नहीं दी जा रही है। इन सभी मुद्दों को लेकर वे सोमवार (5 मई) को राकेश पांडे से मुलाकात करेंगे। पंजाब में जालंधर के गोराया कस्बे के जगदीप कुमार ने बताया कि वह पिछले महीने 3 अप्रैल को रूस गए थे और वहां कई दिनों तक रुके थे ताकि अपने भाई मनदीप कुमार की तलाश कर सकें, जो पिछले एक साल से भी ज्यादा समय से रूसी सेना में भर्ती हैं। लेकिन उन्हें अब तक अपने भाई के बारे में पूरी जानकारी नहीं मिल पाई है, न ही भारतीय दूतावास और न ही रूसी दूतावास ने उनकी कोई मदद की है। हालांकि रूस के आम लोगों ने उनकी पूरी मदद की है। उन्होंने बताया कि वह सिर्फ रूसी सेना में अपने भाई का कॉन्ट्रैक्ट ही हासिल कर पाए हैं और इसके अलावा वह अपने भाई मनदीप के बारे में कुछ पता नहीं लगा पाए हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ से उनके साथ गए अजय के मामा और अजीमुद्दीन के भाई के बारे में भी कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

सोनिया गांधी ने गिरिजा व्यास के निधन पर जताया शोक, बताया 'अपूरणीय क्षति'

नई दिल्ली । कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने गिरिजा व्यास के परिजनों को पत्र लिखकर अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं और उनकी सेवाओं को याद किया। भाई गोपाल कृष्ण शर्मा को संबोधित करते हुए सोनिया गांधी ने लिखा, आपकी बड़ी बहन, कांग्रेस की वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री, साहित्य जगत की सशक्त हस्ताक्षर लेखिका, प्रसिद्ध कवियित्री सौम्य स्वभाव एवं मृदुभाषी डॉ. गिरिजा व्यास जी लगभग एक माह पूर्व एक भीषण दुर्घटना की चपेट में आने की वजह से अहमदाबाद में चल रहे इलाज के दौरान उनके निधन के समाचार से मैं स्तब्ध हूं। उनका हम सबके बीच से जाना उनके परिवार, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, साहित्य जगत के लिए अपूर्णीय क्षति है। राजनीतिक, सामाजिक और शिक्षा के क्षेत्र में उनका अविस्मरणीय योगदान रहा है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सिद्धांतों और विचारधारा पर उनकी अपनी अंतिम सांस तक अडिग आस्था रही।

डॉ जितेन्द्र सिंह ने दीर्घकालिक नवाचार के माध्यम से उद्योग की भागीदारी बढ़ाने पर दिया जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के 55वें स्थापना दिवस के अवसर पर केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारत के उभरते वैज्ञानिक परिदृश्य को रेखांकित किया। इसके साथ उन्होंने दीर्घकालिक नवाचार के माध्यम से उद्योग की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इंटरनेशनल अंबेडकर सेंटर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, डीएसटी की स्थापना विज्ञान के क्षेत्र में स्वतंत्रता के बाद के भारत की प्रगति को दर्शाती है, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि किस प्रकार विभाग ने अनुसंधान और शासन को जोड़ा है तथा दृष्टि को सत्यापन योग्य परिणामों में परिवर्तित किया है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि डीएसटी के हस्तक्षेपों ने न केवल विज्ञान को आगे बढ़ाया है, बल्कि

महिलाओं, बच्चों और हाशिए पर पड़े समुदायों पर ध्यान केंद्रित करते हुए जमीनी स्तर पर विकास को भी गति दी है। मंत्री ने डीएसटी के प्रभाव के एक उपाय के रूप में भारत की बढ़ती वैश्विक रैंकिंग पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वैश्विक नवाचार सूचकांक में एक लंबी छलांग लगाई है। 2015 में ये 81वें स्थान पर था जो अब 2024 में 39वें स्थान पर आ गया है। स्टार्ट-अप संख्या, विज्ञान और इंजीनियरिंग में पीएचडी और शोध प्रकाशनों में वैश्विक स्तर पर तीसरा स्थान हासिल किया है। भारत अब बौद्धिक संपदा फाइलिंग में भी दुनिया भर में छठे स्थान पर है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि स्थायी नवाचार को निजी खिलाड़ियों द्वारा संचालित और वित्तपोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में, केवल ज्ञान साझेदारी काम नहीं करती बल्कि उद्योग को खेल में शामिल होना चाहिए। वैज्ञानिक सफलता को बनाए रखने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने नवगठित वैधानिक निकाय, एएनआरएफ (अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन) की भूमिका पर भी प्रकाश डाला, जो अनुसंधान निधि को लोकतांत्रिक बनाने और विश्वविद्यालय की भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक परिवर्तनकारी शक्ति है।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने एनसीबी की अमृतसर जोनल यूनिट को 547 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त करने पर दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की अमृतसर जोनल यूनिट को 547 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त कर 15 लोगों को गिरफ्तार करने पर बधाई दी है।केंद्रीय गृह मंत्री कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'भारत निर्मम आक्रामकता के साथ ड्रग कार्टेल को खत्म कर रहा है। एनसीबी की अमृतसर जोनल यूनिट ने 4 राज्यों में 4 महीने तक चले ऑपरेशन के दौरान ड्रग डायवर्जन कार्टेल को खत्म किया, 547 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की और 15 लोगों को गिरफ्तार किया। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के तहत ड्रग-मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम है। एनसीबी की टीम को बधाई।'

आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता की आवश्यकता: लोकसभा अध्यक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आतंकवाद की समस्या से निपटने के लिए सभी लोकतांत्रिक देशों को एकजुट होकर कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने यह टिप्पणी जापान के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के स्पीकर नुकागा फुकुशिरो के साथ बैठक के दौरान की। फुकुशिरो ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए भारत की लड़ाई में जापान के समर्थन की पुष्टि की। बिरला ने भारत और जापान की मित्रता को विश्व शांति और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण बताया और दोनों देशों के बीच क्वाड, जी-20 और अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन जैसे बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग की बात की। उन्होंने जापान में भारतीय कुशल कर्मियों के अवसरों का स्वागत किया और बौद्ध धर्म के प्रति साझा विरासत को भी रेखांकित किया। बिरला ने भारत के संविधान की भूमिका, दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 और नारी शक्ति वंदन अधिनियम के महत्व पर भी चर्चा की। इस अवसर पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश और अन्य सांसद मौजूद थे।

यूजीसी ने केआईआईटी भुवनेश्वर में छात्राओं की आत्महत्या मामले पर फैक्ट फाइंडिंग कमेटी गठित की

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी), भुवनेश्वर में छात्राओं की आत्महत्या मामलों की जांच के लिए फैक्ट फाइंडिंग कमेटी गठित की है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के पूर्व कुलपति प्रो. नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली यह कमेटी 10 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

यूजीसी ने एक बयान जारी कर कहा कि केआईआईटी, भुवनेश्वर में 16 फरवरी और 1 मई को हुई लगातार दो आत्महत्या की घटनाओं से जुड़ी परिस्थितियों की जांच करने, छात्र कल्याण और सुरक्षा नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उपाय सुझाने के लिए एक फैक्ट फाइंडिंग कमेटी गठित करने का निर्णय लिया है। इग्नू के पूर्व कुलपति प्रो. नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली कमेटी में सदस्य के तौर पर राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (एनआईईपीए) की कुलपति प्रो. शशिकला वंजारी और दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गया के पूर्व कुलपति प्रो. एच.सी.एस. राठौर शामिल हैं। इसके अलावा यूजीसी की संयुक्त सचिव डॉ. सुनीता सिवाच को समन्वय अधिकारी बनाया गया है।कमेटी छात्र आत्महत्या की घटनाओं से जुड़ी परिस्थितियों की जांच करेगी, जिसमें संस्थागत नीतियां,

शैक्षणिक दबाव, शिकायत निवारण तंत्र और छात्र सहायता संरचनाएं जैसे कारक शामिल हैं। कमेटी सुरक्षा प्रोटोकॉल, शिकायत निवारण तंत्र और उत्पीड़न विरोधी उपायों सहित प्रासंगिक छात्र कल्याण और सुरक्षा विनियमों के अनुपालन की समीक्षा करेगी।

भारत विश्व में बैठकों, प्रोत्साहनों, सम्मेलनों और प्रदर्शनियों की राजधानी बनने के लिए पूरी तरह तैयार: गजेन्द्र सिंह शेखावत

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने देश में प्रदर्शनी उद्योग के शीर्ष राष्ट्रीय निकाय भारतीय प्रदर्शनी उद्योग संघ (आईईआईए) द्वारा आयोजित दो दिवसीय सेमिनार का उद्घाटन किया। भारत मंडपम में भारत- तीव्र विकास की धरती विषय पर आधारित इस सेमिनार को संबोधित करते हुए गजेन्द्र सिंह ने कहा कि पर्यटन के नए क्षेत्र विकसित हो रहे हैं, जिसमें एमआईसीई पर्यटन सबसे महत्वपूर्ण है और यह देश में सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र है। मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद, बैंगलोर, जयपुर और यहां तक ??कि जी-20 सम्मेलन के बाद छोटे शहरों सहित पूरे देश में हम जो प्रदर्शनी और सम्मेलन का बुनियादी ढांचा देख रहे हैं, उससे पता चलता है कि भारत इस क्षेत्र के लिए मजबूत संभावनाओं की दहलीज पर खड़ा है। शेखावत ने

कहा कि भारत को एमआईसीई पर्यटन का केंद्र बनाने के लिए सरकार और निजी प्रदर्शनी उद्योग को मिलकर काम करना होगा। वैश्विक स्तर पर होने वाले कई कार्यक्रमों को कैलेंडर में शामिल करके भारत में लाया जा सकता है। भारत सड़क, विमानन और रेलवे क्षेत्रों में योजनाबद्ध विस्तार के साथ सम्मेलन और प्रदर्शनी का एक बड़ा सम्मेलन केंद्र भी बन रहा है। यह उद्योग देश के आर्थिक विकास के लिए एक शुभ संकेत है। शेखावत ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश ने बुनियादी ढांचे में जबरदस्त वृद्धि दर्ज की है, चाहे वह 1,50,000 किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण हो, नए रेलवे स्टेशन हों, सेमी हाई-स्पीड ट्रेनें हों, अंतर्देशीय जलमार्ग हों या 150 से अधिक हवाई अड्डे हों, इन सभी ने एमआईसीई कार्यक्रमों के संबंध में देश की प्रगति में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि जी-20 की अध्यक्षता के बाद देश में आत्मविश्वास बढ़ा है। आने वाले समय में भारत दुनिया की एमआईसीई राजधानी के रूप में उभरेगा। भारतीय प्रदर्शनी उद्योग संघ के अध्यक्ष सूरज धवन ने कहा कि भारतीय प्रदर्शनी उद्योग संघ (आईईआईए) सेमिनार और प्रदर्शनी सेवा एक्सपो भारतीय प्रदर्शनी उद्योग का वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन है, जिसमें देश के सभी क्षेत्रों और विदेशों से उद्योग प्रमुख भाग लेते हैं। यह कार्यक्रम व्यापार नेटवर्किंग, ज्ञान के आदान-प्रदान और उद्योग के भविष्य को आकार देने वाले उभरते रुझानों पर चर्चा के लिए अपनी तरह के एक सार्थक मंच के रूप में कार्य करता है।

शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस पर लगाया 'सेना के अपमान' का आरोप, बोले 'ये उनकी आदत'

एजेंसी

नई दिल्ली। सर्जिकल स्ट्राइक पर सबूत मांगकर कांग्रेस नेता और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने एक बार फिर विवाद खड़ा कर दिया है। चन्नी के बयान के बाद भाजपा उन पर हमलावर हो गई है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि सेना का लगातार अपमान करना कांग्रेस की आदत बन गई है। न्यूज एजेंसी से बातचीत के दौरान भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि आज कांग्रेस पार्टी का नाम बदलकर एंटी नेशनल कांग्रेस कर देना चाहिए। कांग्रेस की आज एकमात्र पहचान यह है कि वह सेना का लगातार अपमान कर रही है और पाकिस्तान के समर्थन में बयान दे रही है। पाकिस्तान को अपना भाईजान बुलाना कांग्रेस को पसंद है। भाजपा प्रवक्ता ने आगे कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी घटना के बाद ऑल पार्टी मीटिंग में कांग्रेस का दावा रहता है कि वह देश और सेना के साथ मजबूती के साथ खड़ी है और सख्त कार्रवाई की मांग की जाती है। लेकिन जैसे ही कांग्रेस के नेता मीटिंग से बाहर निकलते हैं, तो वे वोट बैंक की राजनीति को राष्ट्रीय हित से ऊपर उठा देते हैं। पहलगाम घटना के बाद कांग्रेस के नेताओं के बयान यह दिखाते हैं कि इनके नेता सेना पर सवाल खड़े कर पाकिस्तान को क्लीन चिट देने का काम कर रहे हैं। इनके नेता कहते हैं कि पाकिस्तान के साथ बातचीत होनी चाहिए। कांग्रेस अप्रत्यक्ष रूप से इस्लामिक जिहाद का समर्थन करके हमारे सशस्त्र बलों का मनोबल कमजोर कर रही है।

जन अभियान के माध्यम से 'नक्शा' कार्यक्रम का लाभ जन-जन तक पहुंचाना उद्देश्य: शिवराज

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा समग्र कृषि और ग्रामीण विकास के लिए मैराथन बैठकों का दौर जारी है। कृषि भवन में वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में चौहान ने ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत ग्रामीण विकास एवं भूमि संसाधन विभाग की योजनाओं-कार्यक्रमों की समीक्षा की। केंद्रीय मंत्री चौहान ने भूमि संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी आधुनिक तकनीक का जलग्रहण विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में बेहतर उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मृदा व नमी संरक्षण डेटा के आधार पर निर्णय सहायता प्रणाली विकसित करके ग्राम समुदाय और व्यक्तिगत किसानों को उचित सलाह दी जाना चाहिए। शिवराज सिंह ने कृषि भूमि के लिए डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआईएलआरएमपी) तथा शहरी भूमि सर्वेक्षण के लिए नक्शा कार्यक्रम के तहत प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान बताया गया कि डीआईएलआरएमपी के तहत अधिकारों के अभिलेख 99 प्रतिशत तक कम्प्यूटरीकृत किए जा चुके हैं। भूकर मानचित्रों को लगभग 97 प्रतिशत तक डिजिटाइज किया जा चुका है। उप रजिस्ट्रार कार्यालयों को 95 प्रतिशत तक कम्प्यूटराइज किया जा चुका है। केंद्रीय मंत्री ने इस प्रगति की सराहना करते हुए आगे बेहतर प्रयास करने व अधिकाधिक लोगों तक कार्यक्रम की जानकारी पहुंचाने के उद्देश्य से जन अभियान शुरू करने को कहा। नक्शा कार्यक्रम को देश के 29 राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों में 152 शहरी स्थानीय निकायों में चलाया जा रहा है, जिनमें से 61 में एरियल फ्लाइंग का काम पूरा हो चुका है।शिवराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के वाटरशेड विकास घटक (डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई) के तहत जलग्रहण विकास परियोजनाओं को जनांदोलन की तरह क्रियान्वित किया जाना चाहिए। आम जनता, जनप्रतिनिधियों, गैर सरकारी संगठनों, कॉरपोरेट्स सहित सभी हितधारकों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाएं। स्प्रिंगशेड विकास पर भी चर्चा हुई, जिसे लेकर केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों में स्प्रिंगशेड विकास किया जाना चाहिए, ताकि आबादी को कम पानी उपलब्धता वाले महीनों में पानी उपलब्ध कराया जा सके। स्थानीय आबादी को पीने का पानी उपलब्ध कराने के अलावा, यह प्रमुख नदी प्रणालियों के जल प्रवाह को भी बढ़ाएगा, जो अंततः मैदानी क्षेत्रों में रहने वाली बड़ी आबादी की मदद करेगा। अन्य प्रोजेक्ट्स की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा- डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई अंतर्गत वाटरशेड विकास परियोजनाओं की प्रभावशीलता बढ़ाने हेतु मनरेगा, आरकेवीवाई, पीडीएमसी, एमआईडीएच जैसी योजनाओं के साथ अधिकतम अभिसरण सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

केंद्रीय गृह सचिव ने हरियाणा की तत्काल जल आवश्यकताओं पर चर्चा की

एजेंसी

नई दिल्ली। हरियाणा और राजस्थान के कुछ भागों की तत्काल जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हरियाणा को आठ दिनों के लिए अतिरिक्त 4500 क्यूसेक पानी जारी करने के भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) के निर्णय के कार्यान्वयन के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए नई दिल्ली में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि बैठक में इस मामले पर विचार-विमर्श किया गया और सलाह दी गई कि भाखड़ा बांधों से हरियाणा को अगले आठ दिनों के लिए 4500 क्यूसेक अतिरिक्त पानी छोड़ने के बीबीएमबी के निर्णय को लागू किया जाए ताकि उनकी तत्काल जल आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। यह भी सहमति हुई कि बांधों के भरने की अवधि के दौरान, बीबीएमबी पंजाब को उनकी किसी भी अतिरिक्त आवश्यकता को पूरा करने के लिए यह अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराएगा। बीबीएमबी हरियाणा को अतिरिक्त पानी छोड़ने के कार्यान्वयन के तौर-तरीकों पर

काम करने के लिए तुरंत बोर्ड की बैठक बुलाएगा।बैठक में भारत सरकार, बीबीएमबी के साझेदार राज्यों- पंजाब, राजस्थान एवं हरियाणा और बीबीएमबी के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि बीबीएमबी की स्थापना 1966 में हुई थी। इसका मुख्यालय पंजाब के भाखड़ा में स्थित है। बीबीएमबी के कार्यों में बांध संचालन, जल संसाधन प्रबंधन, बिजली उत्पादन और बाढ़ नियंत्रण शामिल है।

बच्चों को भी प्रभावित कर रहा गठिया का रोग, एम्स के डॉक्टरों ने दिया जागरुकता पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। अगर बच्चों को खेलने-कूदने में जोड़ों में दर्द व सूजन जैसी समस्या होने की शिकायत होती है तो इसे अनदेखा नहीं करना चाहिए। ये लक्षण जुवेनाइल इडियोपैथिक अर्थराइटिस के हो सकते हैं जो बच्चों और किशोरों में पाया जाने वाला सबसे आम प्रकार का गठिया रोग है। यह जानकारी एम्स दिल्ली के बाल चिकित्सा विभाग के गठिया रोग विशेषज्ञ डॉ. नरेंद्र बागड़ी ने दी। उन्होंने बताया कि जे.आई.ए. यानी जुवेनाइल इडियोपैथिक अर्थराइटिस रोग देशभर में बच्चों और किशोरों को तेजी से प्रभावित कर रहा है। जिसके चलते केवल एम्स दिल्ली में ही हर साल 250 से 300 मामले सामने आते हैं। इसके इलाज में अलग-अलग विशेषज्ञों का योगदान होता है जिनमें बाल गठिया विशेषज्ञ, हड्डी के विशेषज्ञ, आंख के विशेषज्ञ, कसरत के चिकित्सक शामिल हैं।उन्होंने बताया कि जे.आई.ए एक ऑटो इम्यून रोग है जो आमतौर पर हाथों, घुटनों, टखनों, कोहनी और कलाई में जोड़ों के दर्द और सूजन का कारण बनता है। लेकिन, यह शरीर के अन्य अंगों को भी प्रभावित कर सकता है। यह 16 वर्ष की उम्र से पहले शुरू होता है जो अनुवांशिक

कारणों एवं पर्यावरण कारणों (शायद संक्रमण) का मिला-जुला परिणाम है। अनुवांशिक कारणों के बावजूद यह बीमारी एक ही परिवार के दो बच्चों में बहुत कम पाई जाती है। डॉ. बागड़ी ने कहा, अगर बच्चे के जोड़ों में दर्द और सूजन जैसे लक्षण 6 सप्ताह से अधिक दिखाई दें तो चिकित्सकीय जांच कराएं और जे.आई.ए. की पुष्टि होने पर इलाज शुरू कर दें। हालांकि, जे.आई.ए. ज्यादातर जोड़ों और आसपास के ऊतकों को प्रभावित करता है, लेकिन यह आंखों, यकृत, हृदय और फेफड़ों जैसे अन्य अंगों को भी प्रभावित कर सकता है। जे.आई.ए. एक पुरानी स्थिति है, जिसका अर्थ है कि यह महीनों और सालों तक रह सकती है। डॉ. बागड़ी के मुताबिक जे.आई.ए. को जड़ से खत्म करने की कोई दवा नहीं है। बीमारी के इलाज का मकसद दर्द, थकावट, अकड़न को कम करना, जोड़ और हड्डी की खराबी को रोकना एवं कामकाज या शारीरिक गतिविधियों में सुधार करना है।

जाति जनगणना में विलंब ना करे सरकार, पारदर्शिता और सहभागिता सुनिश्चित करें : कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने केंद्र सरकार से मांग की है कि जाति आधारित जनगणना को और अधिक विलंबित न किया जाए और इसकी पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और सहभागी हो। पार्टी का कहना है कि सभी राजनीतिक दलों को विश्वास में लेकर, तय समयसीमा में जातिगत जनगणना शुरू की जानी चाहिए, ताकि सामाजिक न्याय की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें। कांग्रेस ने यह भी दोहराया कि संविधान के अनुच्छेद 15(5) को तुरंत लागू कर ओबीसी, दलितों और आदिवासियों को निजी शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण दिया जाए। पार्टी मुख्यालय में हुई कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में आज इस संबंध में प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक की अध्यक्षता पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने की। इसमें राहुल गांधी, सोनिया गांधी, के.सी. वेणुगोपाल, जयराम रमेश, भूपेश बघेल, सचिन पायलट, प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। सीडब्ल्यूसी ने अपने प्रस्ताव में कहा कि मोदी सरकार ने 11 वर्षों के विरोध और इनकार के बाद कांग्रेस की जातिगत जनगणना की मांग को मान तो लिया है, लेकिन अब तक न तो कोई स्पष्ट योजना बनाई गई है और न ही इसके लिए बजटीय प्रावधान किया गया है। कांग्रेस ने संसद में इस पर तत्काल बहस कराने और प्रत्येक चरण–प्रश्नावली, डेटा संग्रह, वर्गीकरण और प्रकाशन–के लिए स्पष्ट समयसीमा तय करने की मांग की है। पार्टी ने तेलंगाना मॉडल को उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया, जिसमें पार्टी का कहना है कि जाति सर्वेक्षण के लिए परामर्श, जवाबदेही और जनभागीदारी की खुली प्रक्रिया अपनाई गई थी। कांग्रेस का मानना है कि जाति जनगणना को वैज्ञानिक और सहभागी तरीके से लागू किया जाए, तो यह आरक्षण, शिक्षा, कल्याण और रोजगार की नीतियों को अधिक न्यायसंगत बना सकता है।

संपादक की कलम से

रो रही है झेलम कश्मीरियत के कत्ल पर

श्रीनगर में जहां कदम-कदम पर फौजी नंगी स्टैनगनों के साथ मुस्तैद नजर आए थे, वैसा पहलगाम में नहीं दिखा था। पहलगाम यानी चरवाहों का गांव और वाकई लिद्दर नदी के हमराह यहां सिर्फ घोड़े ही घोड़े नजर आते हैं। ऊपर के गांवों से नीचे आते हुए घोड़े और फिर इन्हीं रास्तों से लौटते हुए, मानों पहाड़ों के साथ सड़कों पर भी इन्हीं का राज हो। वहां के गुर्जर चरवाहों की यही रोजी है।

हां,झेलम मंगलवार की रात से ही रो रही है कश्मीरियत के कत्ल पर क्योंकि यही वह नदी है जो कश्मीर की जीवन रेखा है; और गवाह है धरती के इस खूबसूरत हिस्से की भोगी हुई पीड़ाओं की। इसने जाना है कि 'धरती का स्वर्ग' कहलाने के बाद आततायी किस तरह पहले लालची नजरों से देखते हैं और फिर खूनी वार करते हैं। इसने देखा है कि शातिरों ने इसके अपने बच्चों के हाथों में कैसे बंदूकें थमा दीं, लेकिन अब इसने चाहा है कि इस बेहद सुन्दर जगह को जिन बुरी नजरों ने घेर रखा है उनकी शिनाख्त जरूरी है। झेलम का जार-जार रोना जारी है क्योंकि जिन मासूम बेगुनाहों का खून उसने देखा है, वह उसे भीतर से सुखा दे रहा है। वह नई नवेली दुल्हन जो अपने पति के शव के पास बिलख रही है, झेलम उसके दुःख को झेल पाने में नाकाम है। इसे कश्मीरी अवाम ने भी उसी तरह महसूस किया है और यही वजह है कि गमजदा होकर वह सड़कों पर हैं, मशालें लेकर विरोध-प्रदर्शन कर रही है। अपने शहर बंद कर रही है। जम्मू से श्रीनगर तक यही भावना है, जैसे अभी चुप रहेंगे तो आगे और बड़े गुनाहों के भागी होंगे। वह गुहार लगा रही है 'बंद करो, बंद करो यह खूनी हिंसा बंद करो !ज् वह शर्मिंदा भी है कि अपने मेहमानों को नहीं बचा सकी। वे लगातार बोल रहे हैं, लिख रहे हैं कि हम शर्मिंदा हैं और इस कुकृत्य पर हमारा सर शर्म से झुका हुआ है। हिंदी पट्टी का सोशल मीडिया अगर बहस कर रहा है कि धर्म पूछ कर मारा या सरकार के इंटेलिजेंस की नाकामी है या बिना फोर्स के उस जगह तक पर्यटकों को जाने की अनुमति क्यों थी, तो कश्मीर के लोग लिख रहे हैं कि कोई भी कहानी ऐसे अंत के लिए नहीं बनी है। यह तस्वीर हमेशा-हमेशा के लिए कश्मीर को दर्द देती रहेगी।

आतंकियों ने धर्म पूछा फिर मारा यह बात हरेक के दिल में घर कर गई है। जो केवल यही सच है तो फिर अनंतनाग के सय्यद हुसैन शाह को किसने मारा? मृतकों में उनका नाम क्यों है? वह घायलों को बचाते हुए कुर्बान हुआ। लेखक आशुतोष कुमार लिखते हैं कि अगर आप इतना ही याद रखेंगे और यह भूल जाएंगे कि हमले के दौरान और उसके ठीक बाद घायलों को अपने कंधों पर या घोड़ों से अस्पताल पहुंचाने वालों ने न धर्म पूछा न जाति, तो आप आतंकवादियों की ही मदद कर रहे हैं। अस्पतालों में डाक्टरों और नर्सों ने बहुत कम सुविधाओं के साथ अपनी भूख, प्यास और नींद सब भूलकर घायलों का इलाज किया, जिससे मृतक संख्या को नियंत्रित किया जा सका। अगर आप इसे भूल जाएंगे तो आतंकवादियों की ही मदद कर रहे होंगे। बहुत देर तक कोई सरकारी सहायता नहीं पहुंच पाई थी, कोई वाहन नहीं थे, तब स्थानीय लोग घरों से बाहर निकले और अपनी जान की बाजी लगाकर उन लोगों को रेस्क्यू किया जो हमले की जद में थे। अगर आप यह भी भूल जाएंगे तो आप आतंकवादियों की ही मदद कर रहे हैं। सारा का सारा जम्मू-कश्मीर इस जघन्य हत्याकांड के विरोध में उठ खड़ा हुआ है। बिना किसी भय और हिचक के उन्हें संदेश दिया कि कश्मीर का बच्चा-बच्चा उनके खिलाफ तनकर खड़ा है। अगर आप यह भूल जाएंगे और केवल हिंदू-मुस्लिम नफरती पोस्टर बनाने वालों को याद रखेंगे तो आप आतंकवादियों की ही मदद कर रहे हैं। पोस्टर की बात करें तो छत्तीसगढ़ भारतीय जनता पार्टी का ही एक पोस्टर सोशल मीडिया में खूब प्रचार पा रहा है। पोस्टर में पत्नी का पति के शव के साथ स्केच है और उस पर लिखा है - 'धर्म पूछा जाति नहीं... याद रखेंगे।' इसे क्या कहा जाए कि पार्टी बेहतर महसूस कर रही है कि जाति नहीं पूछी क्योंकि वे खुद धर्म की सियासत करते हैं और उनके विरोधी जाति की। आपदा में अवसर शायद इसे ही कहा जाता है कि भीषण दुःख और अपरिहार्य परिस्थिति में भी दलों से सियासत नहीं भूली जाती। किसी को भी यह समझने में क्यों भूल करनी चाहिए कि आतंक का कोई धर्म नहीं होता। वे अपने हिंसक आकाओं की हसरतों के मोहरे भर होते हैं। अगर जो होता तो श्रीलंका में लिट्टे यानी लिबरेशन टायगर्स ऑफ तमिल ईलम नहीं होता जिसने भारत के एक युवा प्रधानमंत्री (राजीव गांधी) की जान ली थी।

धर्म देखकर फ्रिज खोलकर मीट चेक करने के बाद हत्या को अंजाम तो कुछ और भी लोगों ने दिया है। बेहतर है कि पहलगाम में 27 निदोर्षों की हत्या को इस तंग नैरेटिव के बीच न सीमित कर दिया जाए। सरकार को इस घटना से ऐसा सबक लेना चाहिए कि कश्मीर में फिर कभी ऐसी विभीषिका न हो। सरकार ने ही संसद में अपनी बात कहकर लोगों को यकीन दिलाया था कि कश्मीर में सब कुछ सामान्य है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह सरकार चुप बैठने वाली नहीं है, घर में घुसकर मारती है। अब जो हुआ है, यह उन सैलानियों के यकीन का कत्ल है। उन्हें भरोसा दिलाया गया था कि आप यहां आएं, आप सुरक्षित हैं। नतीजतन 2023 में दो करोड़ दस लाख से ज्यादा सैलानी यहां आए जो साल 2020 में 35 लाख से भी कम थे। अभी तो सीजन शुरू ही हुआ था और अगले तीन महीनों तक यह सिलसिला जारी रहना था लेकिन पहलगाम की घटना ने कश्मीर को फिर पीछे पंहुचा दिया है। इसी यकीन के भरोसे सपरिवार पिछले बरस आठ दिन कश्मीर में और दो दिन पहलगाम में बिताए थे। सब खुश थे।

गर्मी में नारियल पानी अमृत समान, शुद्ध नैचुरल प्रोडक्ट शरीर के जरूरी अंगों का रखता है खास ख्याल

नई दिल्ली। गर्मी का सितम जारी है और ऐसे में लोग शरीर को हाइड्रेट करने के लिए तरह-तरह के ड्रिंक्स भी लेते हैं, लेकिन हम आपको ऐसे ड्रिंक के बारे में बताएंगे, जिसे पीने से न केवल शरीर हाइड्रेटेड रहता है बल्कि पाचन, वजन पर कंट्रोल रखने और त्वचा की रौनक बढ़ाने में भी कारगर होता है। यहां बात नारियल पानी की हो रही है, जिसकी तुलना अगर ह्यअमृतह्ल से की जाए तो गलत नहीं होगा, क्योंकि जब गर्मी के तपते दिनों में प्यास और थकान सताने लगती है, तब नारियल पानी को ही पीने के लिए सबसे अच्छा पेय पदार्थ माना जाता है।

नारियल पानी पेट को शीतलता प्रदान करता है और यह शुद्ध होता है। नैचुरल प्रोडक्ट जिसमें मिलावट लेशमात्र की नहीं होती। पोषक तत्वों से भरपूर होता है। प्रकृति का यह अनमोल तोहफा शरीर को तरोताजा रखने के साथ ही अनगिनत फायदे भी पहुंचाता है।

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन (दिसंबर, 2009) में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, 1940 के दशक से नारियल पानी का व्यापक अध्ययन किया गया। जिसमें दावा किया गया कि यह एक ताजा और पौष्टिक पेय है और स्वास्थ्य लाभ के कारण बड़े पैमाने पर पिया जाता है। इसका सेवन दिल का ख्याल रखता है और हार्ट अटैक से बचाता है। एक अध्ययन में पाया गया कि नारियल पानी स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है। इसके अलावा, नारियल पानी में अकार्बनिक आयन और विटामिन जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व इंसानी शरीर के एंटीऑक्सीडेंट सिस्टम को सहायता प्रदान करते हैं।

नारियल पानी से शरीर तो हाइड्रेट रहता है, साथ ही यह इम्युनिटी को बूस्ट करने का भी काम करता है। इतना ही नहीं, इसका सेवन करने से वजन कम करने में भी आसानी होती है।

इसके अलावा, नारियल पानी का सेवन दिल को दुरुस्त रखने का काम करता है। साथ ही यह बीपी को नॉर्मल करता है और ब्लड वेसल्स में रक्त प्रवाह को नॉर्मल करने का काम भी करता है।

मनुष्य के मौलिक सृजन को संरक्षित करना बड़ी चुनौती

-ललित गर्ग-

रचनात्मकता, सृजनात्मकता और संरचनात्मकता मनुष्य की स्वाभाविक वृत्ति है, मानव की इन मौलिक विशेषताओं एवं उपलब्धियों को उचित सम्मान मिले, उचित प्रोत्साहन एवं पारिश्रमिक मिले, ऐसे नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए ही हर साल 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य बौद्धिक संपदा (आईपी) के बारे में जागरूकता बढ़ाना है और नवाचार तथा रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने में आईपी की भूमिका को उजागर करना है। कृत्रिम बौद्धिकता के दौर में मानव की स्वतः स्फूर्त बौद्धिकता का संरक्षण, संवर्द्धन एवं प्रोत्साहन ज्यादा जरूरी है। 2025 की थीम ह्यआईपी और संगीतः आईपी की धड़कन महसूस करेंह्ल है। यह संगीत उद्योग में बौद्धिक संपदा (आईपी) की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देता है, इस थीम का उद्देश्य आईपी के माध्यम से संगीत रचनाकारों की रचनाओं की रक्षा करना और उन्हें उनके काम के लिए उचित मान्यता दिलाना है। 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के लिए इसलिए चुना गया क्योंकि इसी दिन 1970 में विश्व बौद्धिक संपदा संगठन की स्थापना करने वाला कन्वेंशन लागू हुआ था। यह दिन बौद्धिक संपदा अधिकारों जैसे पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क आदि के महत्व को उजागर करता है, जो नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।

बौद्धिक संपदा दिमाग की रचनाओं से संबंधित है, जैसे आविष्कार, साहित्यिक सृजन, संगीत, कला और कलात्मक कार्य, डिजाइन और व्यापार में उपयोग किए जाने वाले प्रतीक, नाम और चित्र आदि। ऐसे रचनात्मक काम जो पहले नहीं किया गया हो, ये हमारी बौद्धिक संपदा है। इस रचनात्मक सम्पदा का कोई दूसरा अनाधिकृत उपयोग नहीं सके, इसके लिए हमें अपनी बौद्धिक संपदा को सुरक्षित एवं संरक्षित करवाना चाहिए। इसी उद्देश्य से यह दिवस बौद्धिक संपदा संरक्षण के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देता है, दुनियाभर में बौद्धिक संपदा संरक्षण के प्रभाव को विस्तार देता है, देशों से बौद्धिक संपदा संरक्षण कानूनों और विनियमों को प्रचारित और लोकप्रिय बनाने का आग्रह करता है, बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में सार्वजनिक कानूनी जागरूकता बढ़ाता है। इसके साथ ही इसका बड़ा उद्देश्य है विभिन्न देशों में आविष्कार-नवाचार गतिविधियों को प्रोत्साहित करना और बौद्धिक संपदा क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान को मजबूत करना है। भारत भी विश्व बौद्धिक संपदा संगठन का सदस्य है। इस संगठन की स्थापना 14 जुलाई 1967 को हुई थी, जिसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उद्भव एवं प्रचलन का बौद्धिक संपदा (आईपी) ढांचे पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है, जो एक बड़ी चुनौती है। हमें एआई जैसे नवाचार प्रोत्साहनों के उभरते परिदृश्य और मौजूदा आईपी ढांचे के लिए इसके द्वारा उत्पन्न चुनौतियों पर मंथन करना होगा। पेटेंट योग्यता दुविधाओं से लेकर कॉपीराइट पहेली तक, हम पाते हैं कि तेजी से तकनीकी प्रगति के बीच नवाचार को बढ़ावा देने और सामाजिक हितों की रक्षा करने के बीच एक नाजुक संतुलन है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी और इंटरनेट के साथ हमारे संपर्क के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। जैसे-जैसे एआई अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहा है, इसका बौद्धिक संपदा के संरक्षण पर चुनौतीपूर्ण गहरा प्रभाव पड़ रहा है। चैटजीपीटी जैसे एआई चैट बॉट अविश्वसनीय रूप से परिष्कृत मानव-जैसे लिखित उत्तर दे सकते हैं, क्योंकि भाषा मॉडल की प्रश्नों और कार्यों को समझने और उन टेक्स्ट और डेटा के आधार पर प्रतिक्रियाएं देने की क्षमता है, जिन पर इसे प्रशिक्षित किया गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अन्य क्षेत्रों में भी भी जैसे कला, लेखन, युद्ध, व्यापार, प्रबंधन, संगीत, फिल्म-निर्माण आदि में भी दखल बढ़ रहा है। एआई सार्वजनिक क्षेत्र में पहले से कहीं ज्यादा है और व्यवसाय में इसकी भूमिका दिनोंदिन बढ़ रही है।

इसी के साथ बौद्धिक सम्पदा के सम्मुख सोशल मीडिया भी एक बड़ी चुनौती है। क्योंकि सोशल मीडिया के दौर में हर कोई दूसरों की रचनात्मकता एवं मौलिक सृजन को अपना बता कर पेश कर रहा है। इसलिए हर व्यक्ति को अपनी बौद्धिक संपदा के लिए जागरूक होना होगा। प्रत्येक व्यक्ति में कुछ अलग और रचनात्मक एवं मौलिक काम करने की क्षमता होती है। हम अपनी बौद्धिक संपदा को पांच तरीके से संरक्षित कर सकते हैं। इसमें पहला है कॉपीराइट, दूसरा पेटेंट, तीसरा ट्रेडमार्क, चौथा है औद्योगिक डिजाइन और पांचवा है भौगोलिक संकेतक। अगर आप कुछ लिखते हैं, जो आपका मौलिक लेखन है तो आप कॉपीराइट करा सकते हैं। इसके बाद व्यापार के क्षेत्र में होता है ट्रेडमार्क, जो आपका सिंबल होता है, जो किसी संस्था, कंपनी की पहचान के लिए होता है, उसे अगर ट्रेडमार्क करवा सकते हैं तो कोई दूसरा उस सिंबल का उपयोग नहीं कर सकेगा। अगर आपने कोई आविष्कार किया है तो उसे पेटेंट करा कर सुरक्षित रख सकते हैं। इसके बाद आता है औद्योगिक डिजाइन और भौगोलिक संकेतक।

इस वर्ष की थीम संगीत पर केन्द्रित है। संगीत ने हमेशा लोगों को जोड़ने, बदलाव को प्रेरित करने और सांस्कृतिक विकास को आगे बढ़ाने में एक अनूठी भूमिका निभाई है। यह विषय इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे आईपी अधिकार संगीतकारों और अन्य संगीत रचनाकारों की रचनाओं की रक्षा करते हैं। विश्व बौद्धिक संपदा दिवस डब्ल्यूआईपीओ का सबसे बड़ा बौद्धिक संपदा (आईपी) सार्वजनिक जनजागृति अभियान है। कॉपीराइट और अन्य बौद्धिक संपदा अधिकार संगीत उद्योग की प्रभावी मदद करते हैं। वे सुनिश्चित करते हैं कि संगीत रचनाकारों को उनके काम का श्रेय और भुगतान मिले। यह दिन यह भी दिखाएगा कि इन अधिकारों की मदद से संगीत को बेहतर बनाने में रचनात्मकता और नए विचार कितने महत्वपूर्ण हैं।

आधुनिक समय में संगीत बौद्धिक एवं आर्थिक सम्पदा का बड़ा माध्यम है।

आज की आपाधापी, तनाव एवं अवसादपूर्ण जीवन में संगीत ही एक ऐसा माध्यम है जो शांति, सुकून एवं आनन्द प्रदत्त कर सकता है। संगीत सुनने से इंसान को अलौकितता का अहसास होता है। डॉक्टर भी संगीत को सेहत के लिए फायदेमंद मानते हैं। संगीत को लेकर हुए अध्ययनों में पता चला है कि संगीत शरीर में बदलाव लाता है, जो स्वास्थ्य में सुधार एवं शांति स्थापित करता है। इसके अलावा जो मरीज अवसाद और निराशा के शिकार होते हैं, उन्हें इससे बाहर निकालने के लिए संगीत थेरेपी दी जाती है। संगीत मन और शरीर दोनों को ही आराम पहुंचाता है। संगीत अमूर्त कला है पर उसमें निहित शांति, सौन्दर्य एवं संतुलन की अनुभूति विरल है। संगीत अशांति के अंधेरों में शांति का उजाला है। यह अंतर्मन की संवेदनाओं में स्वरों का ओज है। इसीलिये संगीत एक बड़ी बौद्धिक सम्पदा है।

शादी में ढोलक-शहनाई, भजन-मंडली में ढोल-मंजीरा, शास्त्रीय संगीत में तानपूरा, तबला, सरोद, सारंगी का हम सब भरपूर आनंद उठाते हैं। बचपन में सपेरों द्वारा बीन बजाते ही लहराते हुए सांप का खेल भी हमने खूब देखा है। इन संगीत प्रस्तुतियों से जुड़े कलाकार एवं संगीतकारों के लिये यह उनकी बौद्धिक सम्पदा है। यह दिन इन बौद्धिक संपदा से जुड़े अधिकारों के संरक्षण के महत्व को रेखांकित करता है, जो रचनाकारों और आविष्कारकों को उनके काम के लिए पुरस्कृत करने में मदद करता है एवं उनके उचित पारिश्रमिक को सुनिश्चित करता है। वैश्विक स्तर पर, युवा लोग नवाचार की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, अपनी ऊर्जा और सरलता, अपनी जिज्ञासा और सरलता का उपयोग करके बेहतर भविष्य का मार्गदर्शन कर रहे हैं। नये विश्व के निर्माण में बौद्धिक सम्पदा की प्रभावी भूमिका है। तकनीकी विकास एवं आर्थिक प्रतिस्पर्धा के दौर
में बौद्धिक सम्पदाओं को संरक्षित करते हुए बौद्धिक सम्पदाओं के रचनाकारों एवं मौलिक सृजनकर्ता के अधिकारों की रक्षा करना ही इस दिवस का ध्येय है और इसी में इस दिवस की सार्थकता है।

पहलगाम त्रासदी को भुनाने की कवायद शुरू

27 लोगों की जान लेने वाले जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले को अभी 48 घंटे भी नहीं हुए हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उसका लाभ लेने की कवायद प्रारम्भ कर दी। बिहार के मधुबनी के झंझारपुर की लोहना पंचायत में 'पंचायती राज दिवस' पर आयोजित आम सभा को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने आतंकियों को यह कहकर 'मिट्टी में मिलाने' की धमकी दी कि 'उन्होंने सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं वरन भारत पर हमला किया है।' इस राज्य में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं इसलिये मोदी की इस सभा को चुनावी प्रचार का आगाज भी माना जा रहा है। मोदी ने इस सभा से बिहार की 13,480 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

बेशक यह सभा विकास कार्यों के शिलान्यास-उद्घाटन के लिये आयोजित की गयी थी परन्तु पहलगाम हादसे के बाद भी इसे रद्द न करने से बात साफ हो गयी थी कि इसका लाभ लेने की कोशिश होगी। सऊदी अरब का दौरा बीच में छोड़कर लौटे प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली हवाईअड्डे पर ही बैठक की और पाकिस्तान के खिलाफ कई फैसले लिये लेकिन इसे लेकर न तो कोई अधिकृत बयान दिया, न कोई जनता को संदेश। सत्ता समर्थक मीडिया तथा सोशल मीडिया में बुधवार से ही यह बात घूमने लगी थी कि 'प्रधानमंत्री पाकिस्तान को कड़ा संदेश बिहार की धरती से देंगे।' यह सचमुच आश्चर्यजनक था कि अंतरराष्ट्रीय महत्व की इस बड़ी घटना के बारे में कुछ कहने के लिये उन्होंने देश की राजधानी दिल्ली को नहीं चुना, न ही संसद में या सर्वदलीय बैठक में चेतावनी देनी पसंद की। रेडियो- टीवी पर वे देशवासियों को सम्बोधित कर सकते थे। साफ है कि वे इसका लाभ लेने की पहले से ठान चुके थे।

इन अनुमानों को मोदी ने गलत साबित नहीं होने दिया। सभा में उन्होंने आतंकियों के हाथों मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिये सभी से दो मिनट का मौन धारण कराया तथा उनके परिजनों को यह कहकर सांत्वना दी कि 'देश उनके साथ है।' फिर इस घटना का जिक्र करते हुए आतंकियों को चेतावनी दी कि 'उनकी बची-खुची जमीन भी खत्म कर दी जायेगी।' उन्होंने ऐलान किया कि 'अब उन्हें मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। जिन आर्तकियों ने देश की आत्मा को चोट पहुंचाई है उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।' देश भर से इस घटना को लेकर समर्थन मांगने की कोशिश में मोदी ने इस बात को रेखांकित किया कि 'हमले में किसी ने बेटा खोया, तो किसी ने भाई। किसी ने अपना जीवन साथी खोया है। उनमें कोई बांग्ला बोलता था, कोई कन्नड़ बोलता था, कोई मराठी था, कोई ओड़िया था, कोई गुजराती था तो कोई यहां बिहार का लाल था।' भावुकता की रौ में बहे मोदी दुख और गुस्सा दोनों का इजहार करते नजर आये। उन्होंने कहा कि 'पहलगाम में आतंकियों ने मासूम लोगों को जिस बेरहमी से मारा है उससे करोड़ों देशवासी दुखी हैं। सभी पीड़ित परिवारों के इस दुख में पूरा देश उनके साथ है। सरकार इसके भी प्रयास कर रही है कि जिन घायलों का इलाज जारी है वे जल्द स्वस्थ हों।' प्रधानमंत्री ने दावा किया कि 'पर्यटकों को मारने वाले आतंकियों को 'उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा' दी जाएगी।' उन्होंने कहा-'मैं बिहार की धरती से पूरी दुनिया को कहना चाहता हूं कि भारत सभी आतंकियों की पहचान कर उन्हें सजा देगी। इस तरह के हमले से आतंकी देश के मनोबल को नहीं तोड़ सकेंगे। आतंकी हमले के बाद अब न्याय दिलाने के लिए भारत सब कुछ करेगा। जो लोग मानवता में विश्वास करते हैं वे हमारे साथ हैं।' मोदी ने आतंकी घटना के लिये सीधे-सीधे पाकिस्तान का नाम तो नहीं लिया लेकिन यह जरूर कहा कि '140 करोड़ भारतीयों की इच्छा शक्ति 'आतंक के आकाओं' की कमर तोड़ देगी।'

पाक को सबक सिखाना एवं आतंकवाद को उखाड़ना होगा

-ललित गर्ग-

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर एवं क्रूर आतंकी हमले से सारा देश गम एवं गुस्से में दिख रहा है, वही मोदी सरकार इस बार आर-पार के मूड में दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच बड़े और कड़े फैसले लेते हुए पाकिस्तान पर शिकंजा कसा है, जिससे वह डरा है, सहमा है, घबराया है। इन पंच शिकंजों में 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, राजनयिक मिशन की संख्या घटाई जाएगी, पाकिस्तानी सैन्य राजनयिकों को एक हफ्ते में भारत छोड़ना होगा, पाकिस्तानियों के लिए सार्क वीजा रद्द कर दिया गया है और अटारी बॉर्डर को भी तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। ये कदम जहां आतंकवाद के खिलाफ भारत की कड़ी नीति को दशार्ते हैं वहीं पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाने का एक डिप्लोमैटिक स्ट्राइक है,

जबकि भीतर-ही-भीतर किसी बड़ी कार्रवाई से इंकार नहीं किया जा सकता। सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर दबाव बनाने और भारत की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में मोदी सरकार से अभी अधिक सख्त कार्रवाई की अपेक्षा है और आशा की जा रही है कि सरकार जनता की अपेक्षाओं से भी दो कदम आगे इस बार बदला लेगी। इस बार की तांडवी टंकार एवं हुंकार पाकिस्तान की न केवल कमर तोड़ देगी, बल्कि उसके नापाक मनसूंबों को हमेशा के लिये नेस्तनाबूद कर देगी। पाकिस्तान ने अब तक भारत की शांति एवं सहयोग भावना को देखा है लेकिन अब हिंसा के लिये हिंसा की खनकार देखेगा। निदोर्षों की हत्या करन वालों, विश्वासघात का मार्ग अपनाने वालों एवं निहत्थों पर कहर बरपाने वालों को अब पता लगेगा कि धर्म एवं शांतिवादियों की ताकत क्या होती है?

पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने निर्दोष पर्यटकों पर किये गये इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बाद हुआ। यह हमला पाकिस्तान की अब तक की सबसे बड़ी भूल एवं अमानवीयता एवं पाशविकता का घिनौना कृत्य बना है। मुनीर ने कश्मीर को अपने देश की ह्यगले की नसह्ल बताया लेकिन यही नस अब पाकिस्तान का सर्वनाश करेंगी, उसको कड़वे घुंट पीने को विवश करेगी। दाने-दाने को तरसता पाकिस्तान अब त्राहि-त्राहि करते हुए तबाही के कगार पर पहुंचेगा। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, अब भारत उसकी नींद ही नहीं, सुख-चैन भी छीन लेगा। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली मोदी सरकार को चुनौती दे दी है, सीधे-सीधे ललकारा है। मोदी सरकार को सस्ते में लेने की भूल के परिणाम पाकिस्तान पहले भी भुगत चुका है, उरी (2016) और पुलवामा (2019) की तरह पहलगाम हत्याकांड में बहा निदोर्षों का रक्त व्यर्थ नहीं जायेगा। जिस तरह श्रीकृष्ण को आसूरी शक्तियों के खिलाफ महाभारत रचना पड़ा, उसी तरह मोदी पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ कोई बड़े युद्ध की संरचना करके हमेशा के लिये आतंकवाद का सर्वनाश करे।

पहलगाम हत्याकांड के बाद न केवल समूचे देश में बल्कि कश्मीर घाटी में पहली बार गहरा आक्रोश देखने को मिला है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए और कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। यह घटना कश्मीरियों की रोजी-रोटी पर कुठाराघात है। यह कश्मीर की शांति को लीलने की कुचेष्टा है। लश्करे-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू-कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। लेकिन पहलगाम जैसी जगह में जहां सत्तर फीसदी लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी है, वहां स्थिति सामान्य होने में अब लंबा वक्त लगेगा। आने वाले दिनों के लिये पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव आया था। आतंकवाद लगातार सिमट रहा था, शांति का उजाला हो रहा था। वादियां की रौनक बढ़ी और बाजार गुलजार हो उठे थे। श्रीनगर के लालचौक पर मिलजुल कर त्यौहार मनाए जाने लगे थे। बागों में ट्यूलिप के फूल खिल उठे थे। बर्फ की वादियों में मंद-मंद शीतल हवाओं से चिनार के पेड़ झूमने लगे थे। जो देश एवं दुनिया के असंख्य पर्यटकों को खींच रहे थे। उम्मीदें बंध गई थीं कि एक न एक दिन आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर नई सुबह देखेगा लेकिन बढ़ते पर्यटक और मजबूत होती अर्थव्यवस्था पाक को रास नहीं आई। पहलगाम के भयावह हमले ने एक बार फिर सबको खौफजदा कर दिया।

पाकिस्तान को अवैध व्यापार से 3.4 ट्रिलियन रुपये का राजस्व घाटा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान को अवैध व्यापार से हर साल लगभग 3.4 ट्रिलियन रुपये का राजस्व घाटा हो रहा है। इस तिजारत में खुद को पाक-साफ बताने वाले सीमा शुल्क विभाग के आला अफसर शामिल हैं। पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ मार्केट इकोनॉमी (प्राइम) की ताजा रिपोर्ट में यह खुलासा करते हुए हुकूमत को आगाह किया गया है। यह रिपोर्ट आज जारी की गई है। इसका शीर्षक-'पाकिस्तान में अवैध व्यापार का मुकाबला' है। इसमें कहा गया है कि अनुमानित घाटा इस वित्तीय वर्ष के वार्षिक कर लक्ष्य के 26 फीसद के बराबर है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, प्राइम ने अनुमान लगाया है कि अवैध व्यापार के कारण सालाना 3.4 ट्रिलियन रुपये का राजस्व घाटा हो रहा है। इसमें अफगान ट्रांजिट ट्रेड सुविधा के दुरुपयोग के कारण लगभग 30 प्रतिशत घाटा शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, अवैध व्यापार की गंभीरता अनुमानित 123 बिलियन डॉलर की अनौपचारिक अर्थव्यवस्था के कारण 3.4 ट्रिलियन रुपये के अनुमानित वार्षिक कर राजस्व घाटे से प्रकट होती है। अवैध व्यापार पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती है। इससे अन्य औपचारिक व्यवसाय को चोट पहुंच रही है। यह तिजारत उपभोक्ता सुरक्षा को खतरे में डाल रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तस्करी किए गए पेट्रोलियम और नकली दवाओं से लेकर कर न चुकाए गए सिगरेट और कम कीमत वाले उपभोक्ता सामान तक, अवैध व्यापार ने प्रमुख क्षेत्रों में अपनी जड़ें जमा ली हैं।

2024 के अंत तक चीन में कम्युनिस्ट यूथ लीग के सदस्यों की संख्या 753.18 लाख

बीजिंग । चीन की कम्युनिस्ट यूथ लीग की केंद्रीय समिति द्वारा जारी आंकड़ों से पता चला है कि दिसंबर 2024 के अंत तक, चीन में 753.18 लाख कम्युनिस्ट यूथ लीग के सदस्य और विभिन्न स्तरों के 43.97 लाख कम्युनिस्ट यूथ लीग संगठन थे। इसके साथ ही 2024 में कुल 64.17 लाख नए सदस्य बने। ध्यान रहे कि 4 मई को चीन का युवा दिवस है। चीनी कम्युनिस्ट यूथ लीग युवा कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

अमेरिका में एक हफ्ते में 12 बच्चों की फ्लू से मौत, इस सीजन में कुल 216 बच्चे जान गंवा चुके हैं

न्यूयॉर्क। अमेरिका में फ्लू सीजन में अब तक कुल 216 बच्चों की मौत हो चुकी है। 26 अप्रैल को खत्म हुए हफ्ते में इन्फ्लूएंजा से 12 बच्चों की मौत हुई है। यह जानकारी अमेरिका के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने दी है। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह संख्या अब तक के किसी भी सामान्य फ्लू सीजन (गैर-महामारी) में बच्चों की सबसे ज्यादा मौतों का रिकॉर्ड है। इससे पहले 2023-2024 के सीजन में 207 बच्चों की मौत हुई थी। सीडीसी का कहना है कि फ्लू का असर अब धीरे-धीरे कम हो रहा है, लेकिन यह सीजन सभी उम्र के लोगों के लिए बहुत गंभीर रहा है- बच्चों, बड़ों और बुजुर्गों के लिए भी। 2017-2018 के बाद यह पहला 'गंभीर' फ्लू सीजन है। अब तक अमेरिका में इस सीजन में फ्लू के कारण करीब 4.7 करोड़ लोग बीमार हुए हैं, 6 लाख 10 हजार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है और लगभग 26 हजार लोगों की जान जा चुकी है। सीडीसी ने सलाह दी है कि 6 महीने या उससे ज़्यादा उम्र के सभी लोगों को हर साल फ्लू का टीका जरूर लगवाना चाहिए, जब तक फ्लू का वायरस फैला हुआ हो।

तुर्की में अवैध रैलियों के दौरान हिरासत में लिए गए 418 लोगों में से 374 रिहा

इस्तांबुल। तुर्की के शहर इस्तांबुल में एक मई को हुई अवैध रैलियों में शामिल 418 लोगों को हिरासत में लिया गया था, जिनमें से 374 को अदालत के आदेश पर रिहा कर दिया गया है। शहर के पुलिस विभाग ने एक बयान में कहा इस्तांबुल में अवैध रैलियों के कारण सड़क और राजमार्ग बंद रहे, 15 से अधिक मेट्रो स्टेशन और सार्वजनिक परिवहन बंद कर दिये गए। हिरासत में लिए गए 418 लोगों में से 374 को बयान के बाद रिहा कर दिया गया है।÷ इस्तांबुल के कादिकॉय और कार्ताल जिलों में एक मई को ट्रेड यूनियनों ने सरकार की ओर से अनुमोदित रैलियां कीं, जिनमें करीब 65 हजार लोग शामिल हुए और शांति से तितर-बितर हो गए। वहीं, विपक्षी समूह शहर के केंद्र में घुसने की कोशिश कर रहे थे। सुरक्षा के लिए 52 हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात थे। इस्तांबुल के पुराने इलाके में तकसीम चौक पर प्रदर्शनों पर कई सालों से प्रतिबंध लगा हुआ है।

अमेरिका में येलोस्टोन नेशनल पार्क के पास सड़क हादसा, सात की मौत

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के पहले राष्ट्रीय उद्यान येलोस्टोन नेशनल पार्क के पास यूएस हाइवे-20 पर हुए सड़क हादसे में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। मृतकों में छह विदेशी नागरिक और एक स्थानीय पिकअप ड्राइवर शामिल है। विदेशी नागरिक एक वैन में सवार थे। यह हादसा दोनों वाहनों की टक्कर से हुआ। टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। एबीसी न्यूज चैनल ने इडाहो स्टेट पुलिस के हवाले से खबर दी है कि यह हादसा गुरुवार शाम 7:15 बजे यूएस हाईवे-20 पर हेनरीज लेक के पास हुआ। इडाहो स्टेट पुलिस ने बताया कि मर्सिडीज पैसेंजर टूर वैन लेक के पास डॉज रैम पिकअप से टकरा गई। वैन में 14 लोग और पिकअप में ड्राइवर था। पुलिस ने बताया कि हादसे में वैन में सवार छह विदेशी नागरिकों

और पिकअप ड्राइवर की मौत हो गई। पिकअप ड्राइवर की पहचान हंबल (टेक्सास) के 25 वर्षीय इसाईह मोरेनो के रूप में हुई है। पुलिस ने साफ किया है कि हादसे में मारे गए विदेशी नागरिकों की पहचान हो गई है। फ्रेमोंट काउंटी कोरोनर कार्यालय उनके परिवारों को सूचित करेगा। इसके बाद उनके नाम-पते जारी किए जाएंगे। इडाहो स्टेट पुलिस ने शुक्रवार दोपहर बयान में कहा कि हादसे की भयावहता के कारण इसमें शामिल सभी व्यक्तियों की पहचान और उनके निकटतम रिश्तेदारों को सूचित करने में समय लगेगा। पुलिस ने राहत और बचाव कार्य में राहगीरों की भूमिका की प्रशंसा की है। पुलिस ने कहा कि दुर्घटना में शामिल सभी लोगों को अस्पताल ले जाया गया। इनमें से तीन को एयर एंबुलेंस से ले जाया गया। पुलिस के अनुसार, हेनरीज झील वेस्ट येलोस्टोन के मोंटाना से लगभग 17 मील दूर येलोस्टोन नेशनल पार्क के प्रवेश द्वार पर है। दुर्घटना के बाद यूएस हाइवे-20 लगभग सात घंटे तक बंद रहा। येलोस्टोन नेशनल पार्क का बड़ा हिस्सा व्योमिंग राज्य में है। यह मोंटाना और इडाहो राज्यों की सीमाओं तक भी फैला हुआ है। येलोस्टोन पार्क अमेरिका का पहला राष्ट्रीय उद्यान है। 2.2 मिलियन एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैले इस पार्क की स्थापना 1872 में की गई थी।

पाकिस्तान में भारतीय गानों पर प्रतिबंध, मुल्क के अभिनेताओं के इंस्टाग्राम अकाउंट ब्लॉक

एजेंसी

ढाका। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को कराए गए आतंकी हमले से सरहद पर छाई अशांति के बीच पाकिस्तान ब्रॉडकास्टर्स एसोसिएशन (पीबीए) ने हाल ही में भारतीय (बॉलीवुड) गानों पर प्रतिबंध लगा दिया है। साथ ही मुल्क के नामचीन कई अभिनेता-अभिनेत्रियों के इंस्टाग्राम अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया गया है। मुल्क के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने इसका खुलासा पहली मई को करते हुए पाकिस्तान ब्रॉडकास्टर्स एसोसिएशन को बधाई दी। रेडियो पाकिस्तान के अनुसार सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने पाकिस्तान के एफएम रेडियो पर भारतीय गीतों का प्रसारण बंद करने के पीबीए के फैसले की सराहना की है। मंत्रालय ने तेजी से बदलते मौजूदा हालात के मद्देनजर पाकिस्तान के एफएम रेडियो चैनलों पर भारतीय गीतों का प्रसारण बंद करने के एसोसिएशन के सैद्धांतिक फैसले की सराहना की है। तरार ने पहली मई को एसोसिएशन के महासचिव को लिखे पत्र में कहा कि यह देशभक्ति का भाव अत्यंत सराहनीय है और पूरे देश की सामूहिक भावना को दर्शाता है। तरार ने देशभक्ति का भावना को प्रकट करने वाले मुल्क के सभी मीडिया समूह के प्रयासों पर गर्व व्यक्त किया है। भारत के फिल्मी समाचारों पर केंद्रित फिल्मी बीट नामक वेबसाइट की एक रिपोर्ट अनुसार, पाकिस्तान ने पूरे देश में भारतीय गानों पर प्रतिबंध लगाया लगाते हुए पाकिस्तानी अभिनेताओं को इंस्टाग्राम अकाउंट को ब्लॉक कर दिया गया है। इस प्रतिबंध से सभी भारतीय गाने प्रभावित होंगे। यह फैसला दोनों देशों के बीच चल रहे तनाव का हिस्सा है। साथ ही अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबंध के बारे में अधिसूचना जारी की गई। यह पाकिस्तान के सभी प्रसारकों पर लागू होती है।

अमेरिका से यूक्रेन को मिलेंगे 310.5 मिलियन डॉलर के सैन्य उपकरण

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका और यूक्रेन के बीच हुआ हालिया खनिज समझौता वोलोदिमीर जेलेंस्की के लिए खुशखबरी लेकर आया है। दोनों देशों के बीच इस समझौते पर हस्ताक्षर वेटिकन सिटी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की मुलाकात के बाद हुए थे।

इस समझौते के बाद अमिरिकी विदेश विभाग ने यूक्रेन को 310.5 मिलियन डॉलर के एफ-16 लड़ाकू जेट प्रशिक्षण, रखरखाव और उपकरणों की बिक्री को मंजूरी दी है। न्यूज वेबसाइट न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, यह हाल ही में हस्ताक्षरित खनिज अधिकार समझौते से संबंधित पहली मंजूरी है। खनिज सौदे के अंतर्गत स्थापित किए निवेश कोष से यूक्रेन को भारी आर्थिक मदद मिलेगी। यूक्रेन को 310.5 मिलियन डॉलर की खरीद में आधी रकम ही चुकानी होगी। आधा पैसा अमेरिका वहन करेगा। रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी ने बयान में कहा कि इससे यूक्रेन की सामरिक क्षमता

पहले से कई गुना बढ़ जाएगी। यूक्रेन को पिछली जुलाई में नाटो से एफ-16 और अमेरिका से विमानों के लिए उन्नत हथियार प्राप्त हुए थे। एजेंसी ने कहा कि इससे यूरोप में राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। यूक्रेन की सुरक्षा में सुधार होगा। यह बिक्री संयुक्त राज्य अमेरिका की विदेश नीति के लक्ष्यों और राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों का समर्थन करती है। प्रस्तावित बिक्री से यूक्रेन की मौजूदा और भविष्य की चुनौतियों से निपटने की क्षमता में सुधार होगा। यूक्रेन के पायलट प्रभावी रूप से प्रशिक्षित होंगे। यूएस वायु सेना के साथ व्यापक प्रशिक्षण से उनकी अंतर-संचालन क्षमता बढ़ेगी।

मेक्सिको में अपराध के खिलाफ जंग में पूर्व पुलिस अफसर इवान की हत्या

एजेंसी

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका में ड्रग्स और कार्टेल हिंसा के खिलाफ लड़ाई के प्रतीक पूर्व अधिकारी इवान मोरालेस कोरालेस की हत्या कर दी गई। मेक्सिको के पूर्व संघीय पुलिस अफसर 43 वर्षीय इवान मोरालेस कोरालेस के वाहन को एक एसयूवी ने टक्कर मारी। इसके बाद बंदूकधारियों ने उन पर एक दर्जन से अधिक गोलियां चलाईं। घात लगाकर किए इस हमले में इवान और एक अज्ञात महिला की मौत हो गई। इवान मोरालेस के परिवार में पत्नी, 9 वर्षीय पुत्र और 4 वर्षीय पुत्री है। यूएसए टुडे अखबार की खबर के अनुसार, हत्यारों ने उन्हें 30 अप्रैल को निशाना बनाया। वह वर्ष 2015 में सैन्य हेलीकॉप्टर पर हुए हमले में

एकमात्र जीवित बचे व्यक्ति थे। दो सेवानिवृत्त अमेरिकी ड्रग एजेंट्स और मैक्सिकन मीडिया आउटलेट्स के अनुसार, मेक्सिको सिटी से 2.5 घंटे की ड्राइव दूर मोरेलोस राज्य में बंदूकधारियों ने कोरालेस की जान ली। सैन्य हेलीकॉप्टर हमले को गिराए जाने की 10वीं वर्षगांठ पर इवान मोरालेस कोरालेस ने हेलीकॉप्टर हमले का आरोप कार्टेल जलिस्को नुएवा जेनरेशन संगठन पर लगाया था। मेक्सिको में इसे सबसे खतरनाक संगठन माना जाता है। अंदेशा है कि इस संगठन के गुर्गों के हाथों वह मारे गए।

नए आईफोन में खामी, मैलवेयर का खतरा, चेतावनी जारी

एजेंसी

दुबई। एप्पल के नए आईफोन में खामी मिलने से मैलवेयर का खतरा बढ़ गया है। मैलवेयर सॉफ्टवेयर में किसी भी कंप्यूटर या अन्य नेटवर्क को नुकसान पहुंचाने की क्षमता होती है। इसे यूजर्स का संवेदनशील डेटा चुराने के लिए डिजाइन किया जाता है। यह वायरस, वॉर्म, ट्रोजन, रैंसमवेयर और स्पाइवेयर के माध्यम से यूजर्स की निजता पर सेंध लगाता है। गल्फ न्यूज के अनुसार, न्यूयॉर्क पोस्ट ने इस पर ओलिगो सिक्योरिटी के हालिया शोध पर खबर प्रकाशित की है। इसमें कहा गया है कि नए आईफोन को बेहतरीन स्पीकर और स्मार्ट टीवी पर संगीत, फोटो और वीडियो को सहजता से स्ट्रीम करने की क्षमता से सुसज्जित किया गया है। यह सुविधा यूजर्स के लिए संभावित साइबर सुरक्षा जोखिमों की ओर इशारा करती है।खासकर जब आईफोन को सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क से कनेक्ट किया गया हो। यह एक तरह का एयरबोर्न है। खबर में कहा गया है कि एयरबोर्न साइबर अपराधियों को एक ही वाई-फाई

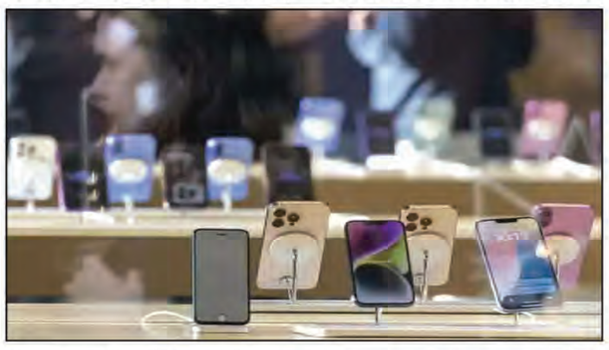

नेटवर्क पर डिवाइस में घुसपैठ करने की अनुमति दे सकता है। एयरबोर्न हैकर्स को मैलवेयर के माध्यम से यूजर्स के निजी डेटा पर नजर रखने और यहां तक कि वाई-फाई नेटवर्क से कनेक्ट होने पर बातचीत को सुनने की अनुमति देता है। यह वाई-फाई नेटवर्क हवाई अड्डे, कॉफी शॉप या यहां तक कि यूजर्स के कार्यालय के हो सकते हैं। ओलिगो सिक्योरिटी के शोध में एप्पल के आईफोन में दिए गए एयरप्ले के सॉफ्टवेयर में 23 खामियां मिली हैं। इनमें से दो विशेष रूप से खतरनाक हैं।यह हमलावरों को आईफोन को हथियार बनाने और उसी स्थानीय नेटवर्क पर अन्य डिवाइस में मैलवेयर फैलाने में सक्षम बनाती हैं। शोध में चेतावनी दी गई है कि साइबर अपराधी दुर्भावनापूर्ण कोड निष्पादित करने, यूजर्स की व्यक्तिगत जानकारी चुराने, डिवाइस को क्रैश करने और बातचीत सुनने के लिए एयरप्ले बग का फायदा उठा सकते हैं। हालांकि एप्पल ने 31 मार्च को अपने आईफोन, आईपैड, मैक और एप्पल विजिन प्रो डिवाइस के लिए सुरक्षा अपडेट जारी किए हैं, लेकिन एयरप्ले का उपयोग करने वाले थर्ड-पार्टी डिवाइस को लेकर अभी भी चिंता बनी हुई है। इसकी वजह यह है कि एयरप्ले को एप्पल सीधे नियंत्रित नहीं करता। एप्पल के प्रवक्ता ने डेलीमेलडॉटकॉम से कहा कि साइबर अपराधी इन कमियों का फायदा तभी उठा सकते हैं, जब वे उसी वाई-फाई नेटवर्क पर हों। इस टिप्पणी के बाद ओलिगो सिक्योरिटी ने अनुमान जताया है कि लाखों थर्ड-पार्टी डिवाइस असुरक्षित हैं।

संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय उद्यमी को झूठे केस में गिरफ्तार कराया, तीन लोगों को सजा

एजेंसी

अबूधाबी। संयुक्त अरब अमीरात की एक अदालत ने यहां एक भारतीय उद्योगपति को झूठे ड्रग्स केस में फंसाने के आरोप में दो पुरुष और एक महिला को 10 से 15 साल तक के जेल की सजा सुनाई है। दोषियों में से एक व्यक्ति पीड़ित भारतीय उद्योगपति का पार्टनर है। गल्फ न्यूज की खबर में रास अल खैमाह क्रिमिनल कोर्ट के फैसले के हवाले से यह जानकारी दी गई है। रास अल खैमाह क्रिमिनल कोर्ट ने एसआर नाम के अमीराती व्यक्ति और उसकी पत्नी को 10-10 साल की जेल और 50,000 दिरहम के जुर्माने की सजा सुनाई है। पत्नी के भाई एए को 15 साल की जेल की सजा सुनाई और उस पर 100,000 दिरहम का जुर्माना लगाया। अदालत ने इस केस में दोषी ठहराई गई महिला के भाई को मुख्य गुनहगार माना है। अभियोजन के अनुसार, इन तीनों ने भारतीय उद्यमी के फलते-फूलते व्यापार पर कब्जा करने के लालच में ऐसा किया। एसआर ने अपनी पत्नी के प्रभाव में आकर अपने भारतीय व्यापारिक साझेदार को खत्म करने की योजना बनाई।उन्होंने साझेदार को ड्रग रखने के केस में फंसाने का षड़यंत्र रचा। इसमें एए की मदद ली गई। इसके बाद भारतीय साझेदार के वाहन में ड्रग्स रखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने वाहन की तलाशी ली और भारतीय व्यवसायी को गिरफ्तार कर लिया।

ट्रंप प्रशासन डेटा मसले पर जिला अदालत के आदेश के खिलाफ पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका की एक जिला अदालत के सामाजिक सुरक्षा प्रशासन (एसएसए) के आम नागरिकों से संबंधित संवेदनशील डेटा तक एलन मस्क के सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) के सदस्यों की पहुंच पर रोक लगाने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। ट्रंप प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया कि डीओजीई के सदस्यों को एसएसए के डेटा (रिकॉर्ड) तक पहुंच प्रदान की जाए। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, सॉलिसिटर जनरल डी. जॉन सॉयर ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि इस पर तत्काल दखल की जरूरत है। एक जिला न्यायालय ने इस मसले पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध

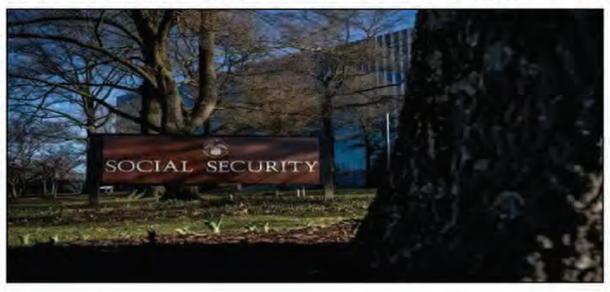

संघीय प्राथमिकताओं को अपूरणीय क्षति पहुंचाते वाला और कार्यकारी शाखा के कार्यों को बाधित करना है। बताया गया है कि ट्रंप प्रशासन ने हाल के हफ्तों में इस तरह के कई आवेदन दायर किए हैं। इनमें गुरुवार को एक आव्रजन मामले में दाखिल किया गया आवेदन भी शामिल है। यूएस टुडे अखबार की खबर के अनुसार, ट्रंप प्रशासन के सुप्रीम कोर्ट जाने की खास वजह यह है कि मैरीलैंड में एक संघीय न्यायाधीश ने एलन मस्क के सरकारी दक्षता विभाग को यूएस सामाजिक सुरक्षा प्रशासन के पास सुरक्षित लाखों अमेरिकियों के डेटा तक पहुंच प्रदान करने पर कठोर प्रतिबंध लगा दिया है। संघीय न्यायाधीश का मानना है कि एलन मस्क के विभाग ने इस डेटा पर पहुंच बनाकर संघीय गोपनीयता कानून का उल्लंघन किया है। ट्रंप प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि संघीय न्यायाधीश ने अपने अधिकार क्षेत्र की सीमा लांघी है। उन्होंने डीओजीई को होटल के कमरों में घुसने वाले घुसपैठियों के बराबर माना है, न कि उन कर्मचारियों के रूप में जो एजेंसी की तकनीक को आधुनिक बनाने और कचरे को जड़ से खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं।

ब्रिटिश अभिनेता रसेल ब्रांड को राहत, यौन उत्पीड़न के चार मामलों में मिली जमानत

एजेंसी

लंदन। ब्रिटिश अभिनेता रसेल ब्रांड आज सुबह दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न के चार मामलों में सेंट्रल लंदन के वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट में हाजिर हुए। ब्रांड को कोर्ट ने 12 मिनट खड़े रहने को कहा। इसके बाद उन्हें जमानत प्रदान कर दी। उन पर पिछले महीने चार महिलाओं ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। कोर्ट ने सुनवाई की अगली तारीख 30 मई तय की है। उन्हें 30 मई को भी व्यक्तिगत तौर पर अदालत में पेश होने का आदेश दिया गया। अमेरिका के एबीसी न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, आरोप चार अलग-अलग महिलाओं से संबंधित हैं। उन्होंने यह कृत्य 1999 से 2005 के बीच किया। ब्रांड को स्टैंड-अप कॉमेडी एक्ट और फॉरगेटिंग सारा मार्शल फिल्म में शानदार भूमिका के लिए जाना जाता है। 49 वर्षीय अभिनेता ब्रांड सेंट्रल लंदन में वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश हुए। इस दौरान उन्हें पत्रकारों,

फोटोग्राफरों और प्रशंसकों की भीड़ का सामना करना पड़ा। वह बिना कुछ कहे कोर्ट हाउस में अपने आरोपों का सामना करने के लिए चले गए। मेट्रोपॉलिटन पुलिस डिटेक्टिव सुपरिंटेंडेंट एंडी फर्फी ने चार अप्रैल को आरोपों की घोषणा होने पर एक बयान में कहा कि जिन महिलाओं ने रिपोर्ट दर्ज कराई है, उन्हें विशेष रूप से प्रशिक्षित अधिकारियों से सहायता मिल रही है। ब्रांड ने पिछले महीने सोशल मीडिया पर आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि वह ड्रग एडिक्ट और सेक्स एडिक्ट रहा है पर उसने कभी दुष्कर्म नहीं किया।

गुटेरेस जल्द ही सदस्य देशों के समक्ष सुधार प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे: दुजारिक

संयुक्त राष्ट्र।संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस कुछ ही सप्ताह में सदस्य देशों के समक्ष संगठन के सुधार के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने यह जानकारी दी। श्री गुटेरेस ने मार्च में यूएन-80 पहल की शुरुआत की घोषणा की, जिसमें व्ययों को अनुकूलित करने के लिए इसके संचालन का ऑडिट शामिल है। ये सुधार अमेरिका की ओर से संयुक्त

राष्ट्र बजट योगदान में कटौती और मानवीय परियोजनाओं के वित्तपोषण पर ट्रम्प प्रशासन के रुख के बीच किये जा रहे हैं। श्री दुजारिक ने एक ब्रीफिंग में कहा, महासचिव अगले कुछ सप्ताहों में सदस्य देशों को रिपोर्ट करेंगे, क्योंकि हमें इन महत्वाकांक्षी सुधारों के लिए उनकी भागीदारी की आवश्यकता होगी, उनकी सहमति की आवश्यकता होगी और उनकी प्रतिबद्धता की आवश्यकता होगी। प्रवक्ता ने कहा कि कार्य प्रासंगिक पहल के हिस्से के रूप में, संसाधन अनुकूलन, अधिदेश पुनर्गठन और संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के भीतर संरचनात्मक परिवर्तन जैसी तीन दिशाओं पर केंद्रित है।

ट्रंप ने अमेरिका के सार्वजनिक प्रसारणकर्ता एनपीआर और पीबीएस की संघीय निधि पर रोक लगाई

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के प्राथमिक सार्वजनिक प्रसारणकर्ता नेशनल पब्लिक रेडियो (एनपीआर) और अमेरिकन पब्लिक टेलीविजन (पीबीएस) को जारी होने वाली संघीय निधि पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी। उन्होंने गुरुवार को इस आशय के एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। इसमें कॉरपोरेशन फॉर पब्लिक ब्रॉडकास्टिंग के निदेशक मंडल को एनपीआर और पीबीएस के लिए संघीय निधि बंद करने का निर्देश दिया गया है। एबीसी न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, ट्रंप का मानना है कि एनपीआर और पीबीएस के समाचार कवरेज में वामपंथी पूर्वाग्रह होता है। एनपीआर और पीबीएस को संघीय निधि कांग्रेस विनियोजित करती है। माना जा रहा है कि ट्रंप के इस कार्यकारी आदेश को भी अदालत में चुनौती दी जा सकती है।

कार्यकारी आदेश में कहा गया है कि एनपीआर और पीबीएस किस दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। दुखद यह है कि दोनों प्रसारक वर्तमान घटनाओं का निष्पक्ष, सटीक या निष्पक्ष चित्रण प्रस्तुत नहीं करते। ट्रंप ने

हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एनपीआर और पीबीएस पर हमला कर चुके हैं। उन्होंने लिखा था कि रिपब्लिकन को एनपीआर और पीबीएस से खुद को पूरी तरह से अलग करना चाहिए। दोनों कट्टरपंथी वामपंथी 'राक्षस' हैं।

दोनों ने अमेरिका कोबहुत नुकसान पहुंचाया है। अपने कार्यकारी आदेश में ट्रंप ने एनपीआर और पीबीएस के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष वित्त पोषण को रोकने का भी निर्देश दिया है। एनपीआर की अध्यक्ष और सीईओ कैथरीन माहेर ने फिलहाल कार्यकारी आदेश पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। साल 1970 में 26 फरवरी को वाशिंगटन डीसी में स्थापित नेशनल पब्लिक रेडियो का वेस्ट मुख्यालय कल्वर सिटी, कैलिफोर्निया में है।

यह संयुक्त राज्य अमेरिका में 1,000 से अधिक सार्वजनिक रेडियो स्टेशनों के नेटवर्क के लिए राष्ट्रीय सिंडिकेटर के रूप में कार्य करता है। इसकी स्थापना के लिए कांग्रेस ने 1967 के सार्वजनिक प्रसारण अधिनियम को पारित किया था। इस पर तत्कालीन राष्ट्रपति लिंडन जॉनसन ने हस्ताक्षर किए थे।

'फिट इंडिया सन्डे ऑन साइकिल' में शिक्षकों संग पैडल मारेंगे खेल मंत्री मनसुख मांडविया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया रविवार (4 मई) को राजधानी दिल्ली में आयोजित होने वाले 'फिट इंडिया सन्डे ऑन साइकिल' के विशेष संस्करण 'साइकिलिंग विथ टीचर्स' कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। यह आयोजन मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में सुबह 7 बजे से शुरू होगा। इस विशेष कार्यक्रम में देशभर से आए शिक्षक,कोच और शैक्षणिक मार्गदर्शक भाग लेंगे। इस पहल का उद्देश्य 'फाइट ओबेसिटी' यानी मोटापे से लड़ने के राष्ट्रीय अभियान को आगे बढ़ाना है, जिसमें शिक्षकों की भूमिका को रेखांकित किया गया है। देशभर में दिसंबर 2024 से शुरू हुई इस साइक्लिंग मुहिम में अब तक 5000 से अधिक स्थानों पर 2 लाख से अधिक लोग शामिल हो चुके हैं। यह पहल हर आयु वर्ग के लोगों को फिट रहने और पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से की जा रही है। हाल ही में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पाने वाले बैडमिंटन डबल्स खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने भी इस पहल की जमकर तारीफ की। सात्विक ने कहा, आजकल लोग मोटरसाइकिल ज्यादा चलाते हैं, साइकिल नहीं। लेकिन ये पहल शानदार है। हाल ही में मैं हैदराबाद में घर गया तो बच्चों की साइकिल चलाकर देखा,बड़ा अच्छा लगा। चिराग शेट्टी ने कहा, साइकिल चलाना न केवल फिटनेस के लिए अच्छा है बल्कि पर्यावरण के लिए भी लाभकारी है। अगर हम सप्ताह में एक-दो बार या रोज़ाना साइकिल से काम पर जाएं या टहलें, तो यह डबल फायदेमंद साबित होता है।

मैड्रिड ओपन 2025: कोको गॉफ ने स्वियातेक को हराकर फाइनल में बनाई जगह

मैड्रिड। अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने मौजूदा चैंपियन और दुनिया की नंबर दो खिलाड़ी इगा स्वियातेक को मैड्रिड ओपन 2025 के सेमीफाइनल में करारी शिकस्त दी। गॉफ ने यह मुकाबला महज 64 मिनट में 6-1, 6-1 से जीतकर टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया।

स्वियातेक एक भी ब्रेक प्वाइंट नहीं बना सकीं

पोलैंड की पांच बार की ग्रैंड स्लैम विजेता स्वियातेक इस मुकाबले में पूरी तरह संघर्ष करती नजर आईं। वह एक भी ब्रेक प्वाइंट हासिल नहीं कर सकीं और अपनी सर्विस पांच बार गंवाई। गॉफ ने पहले सेट में तीसरे, पांचवें और सातवें गेम में ब्रेक कर स्वियातेक को पूरी तरह दबाव में ला दिया।

क्ले कोर्ट पर पहली बार गॉफ ने स्वियातेक को हराया

यह पहली बार है जब 21 वर्षीय कोको गॉफ ने क्ले कोर्ट पर स्वियातेक को हराया है। उन्होंने दूसरे सेट में भी दो बार ब्रेक किया और बिना कोई गलती किए पहला ही मैच प्वाइंट भुना लिया।

भारतीय और अमेरिकी टीम के बीच शतरंज महा-मुकाबला 4 अक्टूबर को

नई दिल्ली। शतरंज प्रेमियों के लिए एक रोमांचक खबर सामने आई है। हाल ही में विश्व चैम्पियन बने ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश के नेतृत्व में भारतीय टीम 4 अक्टूबर को अमेरिका में जीएम हिकारू नाकामुरा की अगुवाई वाली अमेरिकी टीम से भिड़ेगी।

यह हाई-वोल्टेज मुकाबला

'चेकमैट: यूएसए वर्सेस भारत' नाम से अमेरिका के एरिंगटन स्थित ईस्पोर्ट्स स्टेडियम में खेला जाएगा। इस पांच-बोर्ड मुकाबले में शतरंज की दुनिया के बड़े सितारे, उभरते हुए खिलाड़ी, महिला प्रतिभाएं और लोकप्रिय कंटेंट क्रिएटर्स आमने-सामने होंगे। भारत की ओर से शीर्ष बोर्ड पर डी. गुकेश उतरेंगे, जिनका सामना अमेरिका के दिग्गज ग्रैंडमास्टर हिकारू नाकामुरा से होगा। दूसरे बोर्ड पर भारत के जीएम अर्जुन एरिगैसी और अमेरिका के जीएम फेबियानो कारुआना के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी। तीसरे बोर्ड पर शतरंज के दो चर्चित कंटेंट क्रिएटर्स आमने-सामने होंगे। अमेरिका की ओर से आईएम लेवी रोज़मैन (गौथमचेस) जबकि भारत की ओर से आईएम सागर शाह (चेसबेस इंडिया के संस्थापक) मुकाबले में उतरेंगे। यह भिड़ंत दर्शकों के बीच खासा रोमांच भरने वाली होगी।

मैं तो नेट्स में उन्हें देखकर हैरान हो गया था, बटलर ने की इस बल्लेबाज की तारीफ

अहमदाबाद। राजस्थान रॉयल्स के स्टार बल्लेबाज जोस बटलर ने आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ शानदार जीत को टीम का अब तक का सर्वश्रेष्ठ मैदानी प्रदर्शन बताया। बटलर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में टीम की बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग की तारीफ की, साथ ही GT के युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन की जमकर प्रशंसा की। संपूर्ण प्रदर्शन पर बटलर ने कहा कि हां, यह काफी हद तक संपूर्ण प्रदर्शन था। यह हमारा मैदान पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। इस सीजन हमने कुछ कैच छोड़े, लेकिन राशिद खान का शानदार कैच ने माहौल सेट कर दिया। उन्होंने फील्डिंग में सुधार को जीत का बड़ा कारण बताया।टॉप ऑर्डर की आक्रामक बल्लेबाजी पर उन्होंने कहा कि हमारे टॉप ऑर्डर के खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं। वे पारंपरिक तकनीक के साथ खेलते हैं, क्रीज पर टिकते हैं, लेकिन आज उनकी तेज स्कोरिंग ने सबको हैरान कर दिया। क्लासिकल शॉट्स के साथ इतनी तेजी से रन बनाना खास था। वहीं, साई सुदर्शन की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि पहले दिन नेट्स में उन्हें देखकर मैं उनकी प्रतिभा से हैरान था।

वर्ल्ड कप 2026 तक नेमार को रोकना चाहता है सैंटोस क्लब, अध्यक्ष ने दी जानकारी

एजेंसी

रियो डी जेनेरियो। ब्राज़ीलियन फुटबॉल क्लब सैंटोस के अध्यक्ष मार्सेलो टेक्सेइरा ने जानकारी दी कि क्लब नेमार के साथ उनके अनुबंध को 2026 फीफा वर्ल्ड कप तक बढ़ाने की योजना पर काम कर रहा है। हालांकि नेमार इस समय चोट से जूझ रहे हैं, इसके बावजूद क्लब उन्हें लंबे समय तक बनाए रखना चाहता है।

नेमार की वापसी और मौजूदा प्रदर्शन

नेमार ने इस साल जनवरी में अपने करियर की शुरुआत करने वाले क्लब सैंटोस में वापसी की थी। उन्होंने यूरोप और सऊदी अरब में एक दशक से ज्यादा समय बिताने के बाद सैंटोस के साथ छह महीने का अनुबंध किया था। 33 वर्षीय नेमार ने वापसी के बाद अब तक क्लब के लिए 9 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 3 गोल किए और 3 असिस्ट दिए हैं।

क्लब ने तैयार किया स्पेशल रिकवरी प्लान: क्लब अध्यक्ष टेक्सेइरा ने कहा, जब हमने नेमार को वापस लाया, तो हमें पता था कि वह एक गंभीर चोट से उबर रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने अपनी मेडिकल टीम और रिकवरी सुविधाएं नेमार को समर्पित कर दी हैं। हमारा लक्ष्य है कि उनकी मैदान पर वापसी को इस तरह मॉनिटर करें जिससे वह वर्ल्ड कप तक हमारे साथ रहें।

चोटों से परेशान हैं नेमार

नेमार पिछले साल अक्टूबर में मैदान पर लौटे थे, लेकिन तब से लगातार पैर की मांसपेशियों की समस्याओं से जूझते रहे हैं। इससे पहले वह घुटने की गंभीर चोट के कारण एक साल से अधिक समय तक फुटबॉल से दूर रहे थे।

नए कोच की नियुक्ति

इस बीच, ब्राज़ीलियाई लीग में खराब प्रदर्शन के चलते सैंटोस फिलहाल 20 टीमों की तालिका में 19वें स्थान पर है। क्लब ने हाल ही में मुख्य कोच पेड्रो कैक्सिन्हा के जाने के बाद ब्राज़ील की राष्ट्रीय टीम के पूर्व सहायक कोच क्लेबर जेवियर को नया मैनेजर नियुक्त किया है।

ब्राज़ील के पूर्व मिडफील्डर डूडू ने क्रुज़ेरो क्लब छोड़ा, वापसी के 4 महीने बाद ही टूटा साथ

एजेंसी

रियो डी जनेरियो। ब्राज़ील की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के पूर्व मिडफील्डर डूडू ने अपने पुराने क्लब क्रुज़ेरो से चार महीने के भीतर ही नाता तोड़ लिया है। डूडू ने दिसंबर के अंत में पाल्मेरास से फ्री ट्रांसफर पर वापसी की थी, लेकिन अब क्लब से उनका अनुबंध समाप्त हो गया है।

तुरंत प्रभाव से अनुबंध समाप्त: सोशल मीडिया पर जारी एक संक्षिप्त बयान में क्रुज़ेरो ने कहा, क्रुज़ेरो सूचित करता है कि खिलाड़ी के साथ उसके अनुबंध को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। हालांकि, क्लब ने इस फैसले के पीछे के कारणों का खुलासा नहीं किया।

सिर्फ 17 मैच और दो गोल

डूडू ने वापसी के बाद क्रुज़ेरो के लिए कुल 17 मुकाबले खेले और दो गोल किए। उनकी वापसी को लेकर प्रशंसकों में उम्मीदें थीं, लेकिन मैदान पर वह ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके।

मैनेजर से मतभेद की खबरें: स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डूडू और क्लब के मैनेजर जॉन स्टीवंस के बीच रिश्तों में

खटास आ गई थी, जिसके चलते यह निर्णय लिया गया।

लंबा रहा करियर, कई क्लबों में खेल चुके: डूडू ने 2009 में क्रुज़ेरो से ही अपने प्रोफेशनल करियर की शुरुआत की थी और 2011 में डाइनामो कीव चले गए थे। इसके बाद उन्होंने कोरिटिबा, ग्रेमियो और कतर के क्लब अल-दुहैल के लिए भी खेला। डूडू ब्राज़ील की राष्ट्रीय टीम की ओर से तीन अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं।

भारतीय स्कीट शूटिंग टीम साइप्रस पहुंची, आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में दमदार प्रदर्शन की उम्मीद

एजेंसी

नोकोसिया (साइप्रस)। भारतीय स्कीट शूटिंग टीम वर्ष के तीसरे आईएसएसएफ शॉटगन वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने के लिए साइप्रस पहुंच गई है। आज से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट में भारत को पेरू और अर्जेंटीना में किए गए शानदार प्रदर्शन को दोहराने की उम्मीद है। इस बार भारत की ओर से दो ओलंपियन खिलाड़ियों के साथ कई युवा और नए चेहरे मैदान में नजर आएंगे।

मैराज और महेश्वरी के कंधों पर जिम्मेदारी

स्कीट प्रतियोगिताएं सोमवार से शुरू होंगी, जिसमें भारत के लिए पुरुष वर्ग में ओलंपियन मैराज अहमद खान और महिला वर्ग में महेश्वरी चौहान अगुवाई करेंगी। पुरुष टीम में उनके साथ अभय सिंह सेखों और ऋतुराज सिंह बुंदेला होंगे। अभय इस बार सीनियर वर्ल्ड कप में डेब्यू कर रहे हैं, जबकि ऋतुराज पिछले दो सालों में चार विश्व कप खेल चुके हैं। महिला वर्ग में महेश्वरी के अलावा परीनाज़ धालीवाल और 18 वर्षीय यशस्वी राठौर टीम का हिस्सा हैं। यशस्वी का यह पहला सीनियर विश्व कप होगा।

विश्व चैंपियनों से टक्कर, 54 देशों के 350 से ज्यादा

निशानेबाज शामिल

इस वर्ल्ड कप में 54 नेशनल ओलंपिक कमेटियों (एनओसी) के 350 से ज्यादा शूटर हिस्सा ले रहे हैं। इसमें इटली और अमेरिका जैसी ताकतवर टीमों के अलावा कई पूर्व और मौजूदा विश्व व ओलंपिक चैंपियन भी शामिल होंगे। क्वालिफाइंग राउंड सोमवार से शुरू होंगे, जिसमें रोज़ाना दो राउंड में 25-25 क्ले टारगेट्स शूट किए जाएंगे। बुधवार को पांचवां राउंड और फाइनल मुकाबले होंगे।

आईपीएल 2025 में अपने शानदार प्रदर्शन पर बोले प्रसिद्ध कृष्णा - 'लेंथ पर मेरा कंट्रोल शानदार रहा है'

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस के तेज़ गेंदबाज़ प्रसिद्ध कृष्णा का आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन जारी है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 19 रन देकर 2 विकेट चटकाए और इस सीज़न में अपने विकेटों की संख्या 19 तक पहुंचा दी - जो उनके आईपीएल करियर का सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा है। इससे पहले उन्होंने 2022 में भी 19 विकेट लिए थे, लेकिन इस बार उन्होंने यह कारनामा सिर्फ 10 मैचों में कर दिखाया है।

लेंथ पर कंट्रोल और तैयारी से मिली सफलता

मैच के बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा, मुझे लगता है कि मेरी लेंथ पर कंट्रोल इस सीज़न में अच्छा रहा है। हम जो मेहनत कर रहे हैं, उसमें टीम का और सभी का सहयोग मिला है। और हाँ, मैं इस बात का लुत्फ उठा रहा हूँ कि गेंद मेरे हाथ से अच्छी निकल रही है। इस सीज़न में प्रसिद्ध का इकोनॉमी रेट 7.48 रहा है, जो उनके अब तक के किसी भी आईपीएल सीज़न से बेहतर है। उन्होंने बताया कि उनकी तैयारी नेट्स में विपक्षी बल्लेबाज़ों के अनुसार होती है और वो मैच से पहले पिच को भी बारीकी से देखते हैं। उन्होंने कहा,अगर आप दूसरी पारी में गेंदबाज़ी कर रहे हो, तो पहले 20 ओवर की हर गेंद को ध्यान से देखना ज़रूरी है। मेरे पास अनुभव से भरे खिलाड़ी हैं, जिनसे बात करके मैं सही एरिया में गेंदबाज़ी करने की योजना बनाता हूँ।,

कप्तान शुभमन गिल भी हुए गेंदबाज़ी आक्रमण से खुश: गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि उनकी टीम के पास गेंदबाज़ों की भरमार है और हर मैच में कोई न कोई योगदान दे रहा है। टीम ने 7 गेंदबाज़ों का इस्तेमाल किया। हालांकि साई किशोर ने सिर्फ इसलिए गेंदबाज़ी की क्योंकि ईशांत शर्मा आखिरी ओवर में चोटिल

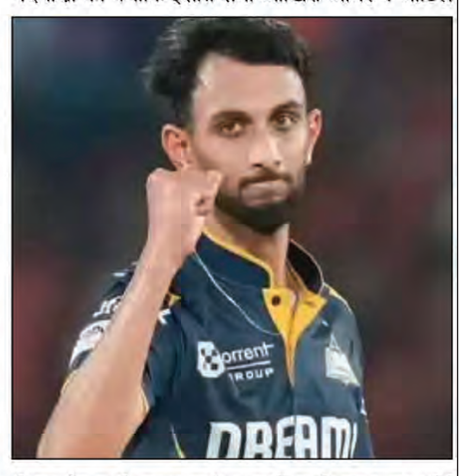

होकर मैदान से बाहर चले गए। गिल ने कहा, हर कोई योगदान दे रहा है - साई, प्रसिद्ध, राशिद भाई, सिराज, ईशी भाई और इस मैच में कोएट्ज़ी भी। जब आपके पास इतने सारे विकल्प होते हैं, तो डिफेंड करने में आसानी होती है, खासकर ऐसे मैदानों पर। गौरतलब है कि दक्षिण अफ्रीका के तेज़ गेंदबाज़ जेराल्ड कोएट्ज़ी ने इस मैच में गुजरात के लिए डेब्यू किया और 1 विकेट लिया।

आईपीएल 2025 : गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 38 रनों से हराया

एजेंसी

अहमदाबाद। आईपीएल 2025 के 51वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 38 रनों से हरा दिया है। इसी के साथ गुजरात की टीम अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 224 रन बनाए थे, जवाब में सनराइजर्स की टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 186 रन ही बना सकी। हैदराबाद के लिए अभिषेक शर्मा ने 41 गेंदों पर चार चौकों और छह छक्कों की मदद से 74 रन बनाए लेकिन उनकी पारी भी टीम को जीत नहीं दिला सकी। गुजरात की ओर से मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो-दो विकेट

लिए जबकि ईशांत शर्मा और गेराल्ड कोएट्जे को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले, गुजरात टाइटंस ने कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर के अर्धशतकों की मदद से सनराइजर्स हैदराबाद को 225 रनों का लक्ष्य दिया। सनराइजर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया और गुजरात ने 20 ओवर में छह विकेट पर 224 रन बनाए। गुजरात के लिए गिल ने सबसे ज्यादा 38 गेंदों पर 10 चौकों और दो छक्कों की मदद से 76 रन बनाए जबकि बटलर ने 37 गेंदों पर तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से 64 रन की पारी खेली। सनराइजर्स की ओर से जयदेव उनादकट ने अंतिम ओवर में तीन विकेट झटके। पहले बल्लेबाजी करते हुए गिल और सुदर्शन ने एक बार फिर गुजरात को मजबूत शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 87 रन जोड़े। गिल और सुदर्शन की शानदार बल्लेबाजी की मदद से गुजरात ने पावरप्ले का अपना सर्वोच्च स्कोर भी बनाया। सुदर्शन ने इसके साथ ही टी20 में 2000 रन पूरे किए और वह कम पारियों में ऐसा करने वाले भारत के पहले और दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए।

पाकिस्तान दौरे से पहले यूएई के खिलाफ दो टी-20 मैच खेलेगा बांग्लादेश

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश पुरुष क्रिकेट टीम पाकिस्तान दौरे से पहले इस महीने के अंत में यूएई का दौरा करेगी, जहां टीम दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगी। ये मुकाबले 17 और 19 मई को शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में रात 7 बजे (स्थानीय समयानुसार) खेले जाएंगे। यह दोनों देशों के बीच तीन वर्षों में दूसरी द्विपक्षीय टी20 श्रृंखला होगी।बांग्लादेश और यूएई के बीच पिछली द्विपक्षीय टी20 श्रृंखला 2022 में दुबई में खेली गई थी, जहां बांग्लादेश ने दोनों मुकाबले जीतकर 2-0 से सीरीज़ अपने नाम की थी। इस बार भी बांग्लादेश की टीम मजबूत नजर आ रही है, जबकि यूएई को घरेलू परिस्थितियों का फायदा मिल सकता है।

एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर सुब्हान अहमद ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हम एक बार फिर बांग्लादेश पुरुष टीम की मेज़बानी करके उत्साहित हैं। पिछले तीन वर्षों में हमने न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान जैसी आईसीसी फुल मेंबर टीमों की मेज़बानी की है। अब बांग्लादेश की यह दूसरी द्विपक्षीय यात्रा हमारे लिए खास है। वहीं, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी)के सीईओ निज़ामुद्दीन चौधरी ने कहा, यूएई में दोबारा खेलना हमारे लिए अच्छा अनुभव होगा। ये मुकाबले हमारी टीम के लिए एशिया कप और आगामी व्यस्त अंतरराष्ट्रीय सीज़न की तैयारी का अहम हिस्सा होंगे।

आईसीसी महिला टी20 टीम रैंकिंग: ऑस्ट्रेलिया ने टॉप पोजिशन की मजबूत की पकड़, थाईलैंड को दो स्थानों का फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली। आईसीसी महिला टी20 टीम रैंकिंग का वार्षिक अपडेट जारी कर दिया गया है। इसमें ऑस्ट्रेलिया ने अपनी टॉप पोजिशन को और मजबूत कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया अब 299 रेटिंग अंकों के साथ पहले स्थान पर है और उसने इंग्लैंड पर अपनी बढ़त 18 से बढ़ाकर 20 अंकों की कर ली है। रैंकिंग के टॉप-8 स्थानों में किसी तरह का बदलाव नहीं हुआ है। भारत 260 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर कायम है जबकि टी20 वर्ल्ड कप विजेता न्यूजीलैंड (253) चौथे और उप-विजेता दक्षिण अफ्रीका (243) पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। वेस्टइंडीज (240), श्रीलंका (228) और पाकिस्तान (220) ने भी अपनी-अपनी रैंकिंग बनाए रखी है, हालांकि इनमें कुछ टीमों के अंकों में मामूली उतार-चढ़ाव देखने को मिला। थाईलैंड को दो स्थानों की छलांग, टॉप-11 में पहुंचा: थाईलैंड

की टीम ने स्कॉटलैंड और पापुआ न्यू गिनी को पीछे छोड़ते हुए 11वें स्थान पर जगह बना ली है। थाईलैंड को यह बढ़त हांगकांग में खेले गए क्वाड्रैंगुलर सीरीज और नेपाल में त्रिकोणीय सीरीज में मिली जीतों के चलते मिली है। सबसे बड़े गेनर: सिएरा लियोन और कुवैत: इस वार्षिक अपडेट में सिएरा लियोन और कुवैत को सबसे अधिक फायदा हुआ है। दोनों टीमों ने सात-सात रेटिंग पॉइंट्स के साथ तीन-तीन स्थानों की छलांग लगाई है। अब सिएरा लियोन 34वें और कुवैत 46वें स्थान पर हैं।

चार टीमें हुईं बाहर: अक्टूबर 2021 से अप्रैल 2024 के बीच आठ या उससे अधिक टी20 मैच न खेलने के कारण चार टीमों को रैंकिंग से बाहर कर दिया गया है। इनमें मैक्सिको, चेकिया, ओमान और घाना शामिल हैं। यूएई को ओडीआई स्टेटस, अमेरिका बाहर: वार्षिक अपडेट के तहत 2025-29 चक्र के लिए ओडीआई स्टेटस वाली 16 टीमों की नई सूची भी घोषित की गई है। इसमें अमेरिका को बाहर कर यूएई को जगह दी गई है। यूएई ने ञ20ढ्ढ रैंकिंग में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर यह दर्जा हासिल किया है।

इस लिस्ट में पांच एसोसिएट मेंबर्स हैं- थाईलैंड, स्कॉटलैंड, पापुआ न्यू गिनी, नीदरलैंड्स और अब यूएई। इन टीमों को या तो टी20 रैंकिंग या वर्ल्ड कप क्वालिफायर में प्रदर्शन के आधार पर ओडीआई स्टेटस मिला है।

मैच में हो गया 'पर्यावरण' को नुकसान, शुभमन ने भी तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली। आईपीएल में कुछ टीमें ऐसी रही हैं जिन्होंने पूरे 20 ओवर की पारी में सबसे कम डॉट गेंदें खेलकर आक्रामक बल्लेबाजी का रिकॉर्ड बनाया है। हाल ही में, गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2025 में अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ केवल 22 डॉट गेंदें खेलीं, जो संयुक्त रूप से एक पारी में सबसे कम डॉट खेलने का रिकॉर्ड है। यह रिकॉर्ड इससे पहले 2024 में हैदराबाद ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ हैदराबाद में बनाया था, जहां उन्होंने भी 22 डॉट गेंदें खेली थीं। असल में बीसीसीआई ने घोषणा की है कि मैच में प्रत्येक डॉट गेंद पर 500 पौधे लगाए जाएंगे। यह रिवाज पिछले कुछ सालों से आईपीएल में बना हुआ है। बीते साल भी बीसीसीआई ने लाखों पौधे लगवाए थे। इस साल भी ग्रीनरी बढ़ाने के उद्देश्य से बीसीसीआई ने इस नियम को लागू किया है।

घाट में अंतर-विद्यालय क्षेत्रीय स्तरीय टूर्नामेंट आयोजित

एजेंसी

डोडा। उपायुक्त हरविंदर सिंह के निर्देश और जिला युवा सेवा एवं खेल अधिकारी प्रीतम सिंह के मार्गदर्शन में आज घाट में अंतर-विद्यालय क्षेत्रीय स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय शारीरिक शिक्षा कार्यालय ने वॉलीबॉल, कबड्डी और खो-खो में जोशीले मुकाबलों वाले टूर्नामेंट का समन्वय किया। इस कार्यक्रम में घाट क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के 162 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। युवा खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के दौरान उल्लेखनीय प्रतिभा, टीमवर्क और खेल भावना का प्रदर्शन किया जिससे यह कार्यक्रम युवाओं और शारीरिक फिटनेस का जीवंत उत्सव बन गया।राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घाट के प्रधानाचार्य दिनेश कुमार मुख्य अतिथि थे। उन्होंने प्रतिभागियों की समर्पण और ऊर्जा की सराहना की। पीईएल और प्रभारी जेडपीईओ सुरिंदर कुमार ने नोडल अधिकारी के रूप में कार्य किया और कार्यक्रम के आयोजन और देखरेख में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टूर्नामेंट का

सफल क्रियान्वयन सभी पीईएम, पीईटी और आरईके के सामूहिक प्रयासों से संभव हुआ।घाट के ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी को चिकित्सा कर्मचारियों की तैनाती और मौके पर प्राथमिक चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के लिए विशेष धन्यवाद दिया गया। आयोजकों ने डायमंड यूथ क्लब घाट को निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा प्रदान करने के लिए भी हार्दिक आभार व्यक्त किया जिससे कार्यक्रम की सुरक्षा और सुचारू संचालन में और अधिक योगदान मिला। टूर्नामेंट ने न केवल स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया बल्कि स्कूली छात्रों के बीच खेल और शारीरिक शिक्षा के महत्व को भी मजबूत किया।

प्रतियोगिता एकता, सहयोग व स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण मंच : महाप्रबंधक

एजेंसी

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन द्वारा खेल को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से रेलगांव स्थित स्पोर्ट्स ग्राउन्ड सूबेदारगंज में दो दिवसीय उत्तर मध्य रेलवे में 12वीं अंतर मंडलीय अधिकारी खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया गया। मुख्य अतिथि महाप्रबन्धक उपेंद्र चंद्र जोशी एवं उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष श्रीमती चेतना जोशी ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। सभी मंडल रेल प्रबंधकों ने अपनी-अपनी टीमों का नेतृत्व किया। इस अवसर पर महाप्रबन्धक ने सभी टीमों के मार्च पास्ट का अवलोकन किया। महाप्रबंधक ने सभी को हार्दिक बधाई दी और कहा कि यह हम सबके लिए अत्यंत हर्ष का विषय है कि एक बार फिर हर वर्ष की भांति हम लोग इस समागम के लिए तैयार हैं। इस आयोजन में खेलों के साथ-साथ सांस्कृतिक स्पर्धाएं भी होंगी। मैं आशा करता हूं कि, इस आयोजन से हम सबमें भ्रातृत्व भाव विकसित होगा। यह प्रतियोगिता न केवल खेल और संस्कृति का एक अद्भुत संगम है, बल्कि यह हमारे संगठन के अधिकारियों के बीच एकता, सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण मंच भी है। मुझे यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि हमारे अधिकारी और उनके परिवार के सदस्यगण अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकालकर इस महत्वपूर्ण आयोजन में भाग लेने के लिए उत्साहित हैं। कार्यक्रम के प्रारंभ में दोनों अतिथियों का स्वागत एस पी द्विवेदी प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक एवं श्रीमती संगीता द्विवेदी ने किया। उन्होंने कहा कि मुख्यालय, तीनों मंडलों एवं कारखानों से आए हुए हमारे अधिकारी एवं परिवार के सदस्यों, आप सभी का यहां एकत्रित होना उत्तर मध्य रेलवे की एकता और सामूहिकता का प्रतीक है। यह मंच न केवल आपकी खेल प्रतिभा और

सांस्कृतिक दक्षता का प्रदर्शन करेगा, बल्कि आपसी मेलजोल और सौहार्द को भी बढ़ावा देगा। मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी शशि कांत त्रिपाठी ने बताया कि इस अंतर मंडलीय अधिकारी खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता के अन्तर्गत विभिन्न खेल स्पर्धाओं जैसे क्रिकेट, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, कैरम, चेस प्रतियोगिताओं एवं एथलेटिक में 3 किलोमीटर की मिनी मैराथन, 3 किलोमीटर की वाक रेस, 100 मी. दौड़ आदि के साथ-साथ, बॉक्स क्रिकेट, सैक रेस एवं स्पून रेस आदि का भी आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर बी पी सिंह मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर ने उत्तर मध्य रेलवे के तीनों मंडलों प्रयागराज, झांसी, आगरा, कारखानों एवं मुख्यालय के दलों को नियमों के अनुसार एवं खेल भावना से इस मीट में भाग लेने की शपथ दिलायी। इसी क्रम में सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं जैसे वाद्य संगीत, गायन, नृत्य, अभिनय के अतिरिक्त पेंटिंग, रंगोली एवं मिमिक्री का भी आयोजन किया जा रहा है। वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी अमित मालवीय ने बताया कि इस अवसर पर महाप्रबंधक ने रस्साकशी की पर्ची निकाल कर ड्रॉ फाइनल किया। रस्साकशी में आगरा मंडल प्रयागराज मंडल को हरा कर विजेता बना।

'अदाएं तेरी' में

नोरा फतेही

और ईशान खट्टर ने मचाया धमाल! दर्शक उनकी ऑन-स्क्रीन अदाओं के हुए दीवाने

रोमांटिक कॉमेडी सीरीज, द रॉयल्स ने अभी-अभी अपना शानदार ट्रैक 'अदाएं तेरी' रिलीज किया है और यह इंटरनेट पर धूम मचा रहा है। ग्लोबल स्टार नोरा फतेही और हर दिल अज़ीज़ ईशान खट्टर के साथ यह शानदार गाना रोमांस, रिदम और शाही आकर्षण का एक बेहतरीन मिश्रण है।एक भव्य महल की पृष्ठभूमि पर फिल्माया गया यह वीडियो एक विज़ुअल ट्रीट है, जो फिल्म की थीम की भव्यता से मेल खाता है। नोरा फतेही ने लाल रंग की बोल्ड ड्रेस में स्क्रीन पर ग्लैमर का तड़का लगाया है और उन्होंने इसे इतनी खूबसूरती से कैरी किया है कि हर कदम, हर मोड़ एक राजसी पल जैसा लगता है। ईशान खट्टर के साथ उनकी केमिस्ट्री और बेहतरीन तालमेल ने 'अदाएं तेरी' को एक अविस्मरणीय अनुभव बना दिया है।

गाने को लेकर दर्शकों की प्रतिक्रियाएं ज़बरदस्त हैं। सोशल मीडिया पर लोग इस जोड़ी की तारीफ करते नहीं थक रहे, जो इस जोड़ी और उनकी शानदार केमिस्ट्री से मोहित हैं। एक यूज़र ने लिखा: ओएमजी ये जोड़ी तो लाजवाब है ईशान और नोरा साथ में कमाल लग रहे हैं, ये पूरा रॉयल फील दे रहा है.

दूसरे ने कहा: नोरा ने तो आग लगा दी! कोरियोग्राफी और लुक्स दोनों टॉप क्लास हैं। अब तो द रॉयल्स देखने का इंतजार नहीं हो रहा।एक फैन ने तो उन्हें ताज भी पहनाया: नोरा इस म्यूजिक वीडियो में इतनी रॉयल और खूबसूरत लग रही हैं कि सच में यूनिवर्स की क्वीन लगती हैं.

द रॉयल्स पहले से ही अपने हाई-स्टेक ड्रामा और शानदार कहानी के लिए चर्चा बटोर रहा है, और 'अदाएं तेरी' इस चर्चा को और तेज कर देता है। यह गाना न केवल आंखों को सुकून देता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि नोरा फतेही इंटरनेशनल एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में लगातार ऊंचाइयों को छू रही हैं।नोरा फतेही लगातार बाधाओं को तोड़ रही हैं। हाल ही में बिलबोर्ड में रैपर किंग और टैलेंट मोगुल अंजुला आचार्य के साथ दिखाई दीं, वह जेसन डेरुलो के साथ अपने अंतर्राष्ट्रीय हिट स्नेक से भी धूम मचा रही हैं, जो बीबीसी एशियन म्यूजिक चार्ट पर स3 पर पहुंच गया। अभिनय के क्षेत्र में, नोरा ने बी हैप्पी में अपने भावनात्मक प्रदर्शन के लिए प्रशंसा अर्जित की, और अब कंचना 4 में अभिनय करने के लिए तैयार हैं। हर प्रोजेक्ट के साथ नोरा फतेही यह साबित कर रही हैं कि वह सिर्फ एक परफ़ॉर्मर नहीं — एक ताकत हैं। और 'अदाएं तेरी' उनके चमकते ताज में एक और नायाब हीरा है।

भूतनी ही 'द भूतनी' को ले डूबेगी, सनी सिंह भी बेअसर, संजय दत्त की फिल्म का पिटना तय!

संजय दत्त की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'द भूतनी' को लेकर शुरुआती प्रतिक्रियाएं मिली-जुली आ रही हैं. जहां कुछ कलाकारों के काम को सराहा जा रहा है, वहीं फिल्म के 2 अहम किरदारों को इसकी कमजोर कड़ी बताया जा रहा है. 'द भूतनी' के ये कमजोर किरदार इस फिल्म की सफलता पर पानी फेर सकते हैं. आइए जान लेते हैं कि आखिरकार संजय दत्त की फिल्म 'द भूतनी' के दो कमजोर किरदार आखिर हैं कौन ?

फिल्म में संजय दत्त 'बाबा' यानी 'कृष्णा त्रिपाठी' का किरदार निभा रहे हैं. बाबा एक घोस्ट हंटर है. उनका किरदार आपका खूब मनोरंजन करता है. आसिफ खान और निकुंज शर्मा ने भी अपने किरदारों को बखूबी निभाया है. श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी ने भी उन्हें मिले हुए मौके का खूब फायदा उठाते हुए बड़े पर्दे पर अपना कमाल दिखाया है. लेकिन फिल्म में 'भूतनी' का प्रमुख किरदार निभा रहीं मौनी रॉय दर्शकों को कुछ खास प्रभावित नहीं कर पातीं. उनकी एक्टिंग में कोई वैरायटी नहीं नजर आती. उनका ये किरदार बहुत ज्यादा बनावटी नजर आता है. उनकी वजह से ये फिल्म हॉरर कॉमेडी की जगह सिर्फ कॉमेडी फिल्म बनकर रह गई है.

फिल्म को हो सकता है नुकसान

मौनी रॉय के अलावा 'द भूतनी' में सनी सिंह का किरदार भी कुछ खास रंग नहीं जमा पाया है. फिल्म के इमोशनल सीन्स में उनकी एक्टिंग थोड़ी कमजोर लगती है और इस वजह से दर्शक उनके किरदार से कनेक्ट नहीं कर पाते. फिल्म के बाकी कलाकारों ने अपनी भूमिकाओं के साथ न्याय किया है, लेकिन फिल्म के इन दो प्रमुख किरदारों का कमजोर प्रदर्शन फिल्म के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है.

रेड 2 से हैमुकाबला

'द भूतनी' के साथ अजय देवगन की फिल्म 'रेड 2' भी रिलीज हुई है. 'रेड 2' के मुकाबले संजय दत्त की फिल्म को कम स्क्रीन्स मिले हैं. 'द भूतनी' के सॉन्ग लॉन्च पर संजय दत्त ने ये अपील भी की थी कि इंडस्ट्री को सभी फिल्मों को मौका देना चाहिए. हालांकि संजय के इस अपील के बाद भी फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स और थिएटर के मालिकों ने अजय देवगन की रेड को ही ज्यादा स्क्रीन्स देने का फैसला लिया था.

वो एक्टर जो 1 हजार ऑडिशन में हुआ था रिजेक्ट, 340 करोड़ी फिल्म ने बदली किस्मत, अब दे डाली 800 करोड़ी पिक्चर

हिंदी सिनेमा में आपने संघर्ष से सफलता तक की कई हानियां सुनी होंगी. आज हम भी आपको एक ऐसी ही कहानी से रूबरू करा रहे हैं. ये कहानी एक ऐसे एक्टर की है, जो आज हिंदी सिनेमा के सबसे बेहतरीन एक्टर्स में से एक माना जाता है, लेकिन कभी ये ऑडिशन के लिए दर-दर भटकता था.यहां बात हो रही है विकी कौशल की. पिता शाम कौशल के स्टंट डायरेक्टर होने के बावजूद विकी ने अपना रास्ता खुद बनाया और मंजिल भी पाई. लेकिन एक समय पर काम के लिए उन्हें दर-दर भटकना पड़ा था और एक्टर को उस दौरान 1000 रिजेक्शन झेलने पड़े थे.

लंबी-लंबी कतारों में खड़े रहते थे विकी

विकी ने जूम टीवी को दिए एक इंटरव्यू में कहा था, जब आप ऑडिशन देना शुरू करते हैं, आपको पता चलता है कि आप कितने पानी में हो. क्योंकि आप हजारों ऐसे लोगों के साथ कंपीट कर रहे होते हो, जो एक ही जॉब के लिए आए हैं. आप लंबी-लंबी कतारों में बाकी एक्टर्स के साथ खड़े होते हो और फिर ऐसे भी एक्टर्स हैं जो अंदर बैठे हैं और बहुत ही कमाल के एक्टर हैं और आपसे भी बेहतर कर रहे हैं. कभी-कभी ये चीजें आप पर हावी हो जाती हैं और आपके अंदर असुरक्षा की भावना आ जाती है.

विकी ने झेले 1 हजार रिजेक्शन

अभिनेता ने आगे कहा था, लेकिन लोग यह नहीं सोचते कि अगर मैंने 10 ऑडिशन क्रैक किए तो मैं एक हजार ऑडिशन में फेल हुआ हूं. मैं एक हजार ऑडिशन्स में रिजेक्ट हुआ और सिर्फ 10 में सिलेक्ट हुआ. तो नजर आते हैं सिर्फ 10 मौके और सबको लगता है कि अरे ये तो आसानी से मिल गया. मेरे पास कोई ऑप्शन नहीं था. अगर मैं यहां से गिरा तो सीधा नीचे गिरुंगा. मेरे पास कोई प्लान बी नहीं था, जिससे हिम्मत मिलती.

350 करोड़ी 'उरी' से मिली पहचान

विकी ने साल 2015 की फिल्म 'मसान' से एक्टिंग डेब्यू किया था. हालांकि उन्हें पहली बड़ी और खास पहचान 2019 में रिलीज हुई फिल्म 'उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक' से मिली थी. देशभक्ति पर बेस्ड ये फिल्म दुनियाभर में 341 करोड़ कमाकर ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी.

अब दी 800 करोड़ी 'छावा'

उरी की ऐतिहासिक सफलता के बाद विकी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा. 'सरदार उधम', 'राजी', 'संजू', और 'सैम बहादुर' जैसी फिल्मों से भी उन्होंने फैंस का दिल जीता. हाल ही में वो संभाजी महाराज के जीवन पर बेस्ड फिल्म 'छावा' में नजर आए. इस पिक्चर ने दुनियाभर में 800 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया है.

दीपिका पादुकोण

को करण जौहर ने किया ग्लोबल सुपरस्टार ऑफ ब्यूटी के नाम से संबोधित

मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 2025 WAVES समिट में दीपिका पादुकोण ने शिरकत की। इस खास मौके पर करण जौहर ने उन्हें ग्लोबल सुपरस्टार कहकर मंच पर आमंत्रित किया। समिट की शुरुआत खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी, और इसमें मीडिया व एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की कई बड़ी हस्तियों ने भाग लिया।शाहरुख खान के साथ दीपिका पादुकोण ने इस इवेंट में हिस्सा लिया, जो इंडियन एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री और उसके ग्लोबल इंपैक्ट पर केंद्रित था। उनका पैनल, जिसका नाम था द जर्नी फ्रॉम आउटसाइडर टू रूलर, एक ऐतिहासिक पल बन गया, क्योंकि बॉलीवुड ये जबरदस्त जोड़ी यानी शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण ने पर्दे पर और पर्दे के बाहर अपनी यात्रा और अनुभवों को साझा किया।

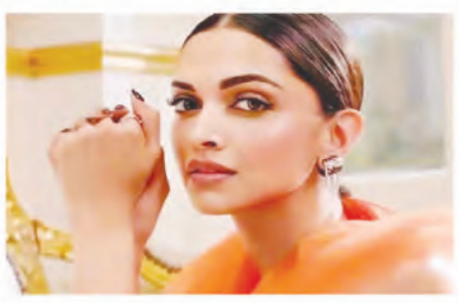

दीपिका ने इस इवेंट में जो पारंपरिक बेज सलवार सूट पहना था, वो बहुत ही सुंदर था, जिसमें ट्राउज़र्स पर कटी हुई डिज़ाइन थी और एक हल्का दुपट्टा था। हालांकि, पैनल डिस्कशन के दौरान उन्होंने एक और स्टाइलिश काले रंग का आउटफिट पहना था।

2025 के पहले WAVES समिट में, करण जौहर ने शाहरुख़ ख़ान और दीपिका पादुकोण के साथ पैनल को होस्ट किया और समिट में एक दिल से उन्हें पेश किया। उन्होंने दीपिका का परिचय देते हुए कहा, वह खिलाड़ी जो न सिर्फ सीमाएं पार कर चुके हैं, बल्कि महासागर भी पार कर चुके हैं और फिर इतिहास में अपनी जगह बनाई है। एक ग्लोबल सुपरस्टार, जो आज खूबसूरती, ताकत और समय से परे आभा का प्रतीक बन चुकी हैं।

एक्ट्रेस ने अपने और शाहरुख खान के साथ सेशन द जर्नी फ्रॉम आउटसाइडर टू रूलर के दौरान कई मुद्दों पर बात की, जिसमें स्टारडम से लेकर अपनी कमजोरियों तक का जिक्र था। यह सेशन डे 1 का सबसे खास पल बना, जिसमें इंडियन सिनेमा के किंग और क्वीन ने अपनी बात साझा की। हाल ही में मदरहुड को अपनाने वाली दीपिका ने अपनी जिंदगी के नए चैप्टर पर भी बात की और माँ बनने के अनुभव को साझा किया।

पाक के खोखलेपन की खुली पोल: सेना के पास चार दिन का हथियार

भारत के सामने सिर्फ 96 घंटे ही जंग में टिक सकेगा पाकिस्तान!

नई दिल्ली
पाकिस्तान की फौज इस वक्त बड़े संकट का सामना कर रही है। खबर है कि वहां तोपों में इस्तेमाल होने वाले गोला-बारूद की भारी कमी हो गई है। हालात इतने गंभीर हैं कि पाकिस्तान की सेना अब सिर्फ चार दिन तक ही कोई बड़ी जंग लड़ सकती है। सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान ने हाल ही में यूक्रेन को भारी मात्रा में गोला-बारूद बेचा है, जिससे उसके अपने सैन्य भंडार लगभग खाली हो गए हैं। पाकिस्तान ऑर्डनेंस फैक्ट्री, जो सेना के लिए गोला-बारूद बनाती है, पुरानी तकनीक और बढ़ती वैश्विक मांग के कारण नई सप्लाई नहीं जुटा पा रही है।

सिर्फ 96 घंटे ही जंग में टिक सकेगा पाकिस्तान
बताया जा रहा है कि पाकिस्तान के पास अब सिर्फ 96 घंटे यानी चार दिन तक ही किसी बड़े युद्ध में अपनी तोपों और रॉकेट सिस्टम को चलाने के लिए गोला-बारूद बचा है। यह स्थिति उसके लिए खासतौर पर खतरनाक है क्योंकि पाकिस्तान की सैन्य नीति भारत के मुकाबले तेजी से मोर्चा संभालने पर आधारित है। इसके लिए उसे 155 मिमी के गोले और 122 मिमी के रॉकेट की जरूरत होती है, जो अब स्टॉक में नहीं हैं।

भारत से लंबी लड़ाई नहीं लड़ सकता पाकिस्तान- पूर्व सेना प्रमुख

सोशल मीडिया पर भी अप्रैल 2025 में ऐसी खबरें आई थीं कि पाकिस्तान ने अपने अहम 155 मिमी के गोले यूक्रेन भेज दिए हैं, जिससे उसकी अपनी सेना के पास गोला-बारूद की भारी कमी हो गई है। बताया जा रहा है कि इस हालात ने पाकिस्तानी सेना में चिंता और कुछ हद तक घबराहट फैला दी है। 2 मई 2025 को हुई सेना के विशेष कोर कमांडरों की बैठक में इस मुद्दे पर गंभीर चर्चा हुई। पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा भी पहले कह चुके हैं कि पाकिस्तान के पास इतने संसाधन और गोला-बारूद नहीं है कि वह भारत के साथ लंबे समय तक लड़ाई कर सके।

गोला-बारूद बेचकर पाकिस्तान ने अपने पैरों पर मारी कुल्हाड़ी
सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान ने भारत-पाक सीमा के पास नए गोला-बारूद डिपो (गोदाम) बनाए हैं ताकि जंग की स्थिति में तुरंत इस्तेमाल किया जा सके। लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि यूक्रेन को गोला-बारूद बेचकर पाकिस्तान ने अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है। उसकी सेना अब खाली भंडार और कमजोर रक्षा के साथ खड़ी है। पाकिस्तान की आर्थिक हालत भी इस संकट को और बढ़ा रही है। महंगाई चरम पर है, कर्ज बढ़ता जा रहा है और विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से घट रहा है। इसका असर सेना पर भी पड़ा है, जहां अब राशन में कटौती की जा रही है, सैन्य अभ्यास रोके जा रहे हैं और ईंधन की कमी के कारण युद्धाभ्यास स्थगित किए जा रहे हैं।

नाबालिग समेत तीन पाकिस्तानी नागरिक हिरासत में लिए गए

राजकोट
गुजरात के राजकोट जिले में अवैध रूप से रहने के आरोप में 50 वर्षीय पाकिस्तानी महिला, उसके बेटे और दो साल पोते को हिरासत में लिया गया है। राजकोट पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी है। मामले में अधिकारियों ने बताया कि महिला और उसका बेटा 25 वर्षों से अधिक समय से भारत में रह रहे थे, जबकि नाबालिग बच्चा बेटे की भारतीय पत्नी से पैदा हुआ है।

पाक पर आर्थिक शिकंजा कसेगा भारत: एफएटीएफ की ग्रे सूची में शामिल कराने की कोशिश

नई दिल्ली/कराची
पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त कदम उठा चुका भारत अब आतंकवाद के पनाहगाह पर आर्थिक शिकंजा कसने की तैयारी में है। इस रणनीति के तहत भारत ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से पाकिस्तान को दिए गए ऋणों की समीक्षा करने को कहा है। साथ ही उसने पाकिस्तान को वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की ग्रे सूची में शामिल कराने की कोशिश भी शुरू कर दी है। एफएटीएफ की ग्रे सूची में शामिल होने और आईएमएफ के ऋण मंजूरी नहीं देने से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को तगड़ा झटका लगेगा। एक भारतीय सरकारी सूत्र ने शुक्रवार को बताया कि भारत ने आईएमएफ के समक्ष पाकिस्तान को दिए गए ऋण पर चिंता जताई और इसकी समीक्षा करने की मांग की है। सूत्र ने बताया कि पाकिस्तान ऋण से मिले पैसों का इस्तेमाल आतंकी हमलों और नापाक गतिविधियों में कर रहा है। आईएमएफ कार्यकारी बोर्ड विस्तारित वित्तपोषण सुविधा की पहली समीक्षा के लिए 9 मई को पाकिस्तानी अधिकारियों से मुलाकात करेगा। आईएमएफ बोर्ड

अपने जलवायु लचीलापन ऋण कार्यक्रम के तहत पाकिस्तान के लिए 1.3 अरब डॉलर की नई व्यवस्था का मूल्यांकन करेगा। साथ ही वह पहले जारी 7 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज का भी आकलन करेगा। पिछले साल एशियाई विकास बैंक ने पाकिस्तान को 764 सार्वजनिक क्षेत्र के ऋण, अनुदान और तकनीकी सहायता देने की प्रतिबद्धता जताई थी। इसकी कुल कीमत 43.4 अरब डॉलर है। इसके अलावा इस साल जनवरी में विश्व बैंक ने पाकिस्तान के लिए 20 अरब डॉलर के ऋण पैकेज को मंजूरी दी थी, ताकि नकदी की कमी से जूझ रहे देश को अपनी चुनौतियों से उबरने में मदद मिल सके। भारत एशियाई विकास बैंक और विश्व बैंक से पाकिस्तान को दी जाने वाली आर्थिक मदद और ऋण पर पुनर्विचार करने को कहेगा। भारत का कहना है कि पड़ोसी मुल्क अंतरराष्ट्रीय मंचों से मिलने वाली आर्थिक सहायता और ऋण का उपयोग भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों में करता है।

एफएटीएफ की जून में बैठक, भारत ने शुरू की कोशिश
भारत ने पाकिस्तान को एफएटीएफ की ग्रे सूची में शामिल कराने की अपनी कोशिश शुरू कर दी है। वैश्विक संस्था एफएटीएफ मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादी वित्तपोषण पर नजर रखती है। इसकी बैठक अगले महीने जून में होनी है। एफएटीएफ का फैसला लेने वाला निकाय प्लेनरी साल में तीन बार फरवरी, जून और अक्तूबर में बैठक करता है।

अरुणाचल प्रदेश के कामले जिले में बना खेलो इंडिया मल्टीपरपज हॉल

नई दिल्ली
पूर्वोत्तर भारत के खेल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने शनिवार को अरुणाचल प्रदेश के कामले जिले में खेलो इंडिया मल्टीपरपज हॉल का उद्घाटन किया। इस मौके पर राज्य के मंत्री केंटो जिनी और न्यातो डुकम के साथ-साथ विधायक रोटॉम तेबिन भी मौजूद रहे। इस अवसर पर डॉ. मांडविया ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस विजन को दर्शाती है कि देश के हर कोने की प्रतिभा को पहचान मिलनी चाहिए। अरुणाचल प्रदेश के युवाओं में असीम संभावनाएं हैं और इस प्रकार की सुविधाओं से वे खेलों में देश का नाम रोशन करेंगे। केंद्रीय मंत्री ने स्थानीय युवाओं और खिलाड़ियों से बातचीत भी की और उन्हें इस सुविधा का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने युवाओं से फिटनेस, खेल और अनुशासन को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की अपील की। इस कार्यक्रम में भारतीय खेल प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी, राज्य सरकार के प्रतिनिधि और कई स्थानीय गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे। यह आधुनिक मल्टीपरपज हॉल केंद्र सरकार द्वारा पूरी तरह वित्तपोषित है और इसकी लागत 8 करोड़ रुपये है। इसका उद्देश्य क्षेत्रीय स्तर पर खेल प्रतिभाओं को उभारने के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं और प्रशिक्षण मंच प्रदान करना है।

आईजीएल ने ग्राहकों को दिया झटका, सीएनजी की कीमत में बढ़ोतरी

नई दिल्ली
इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) को एक बार फिर महंगा कर दिया है। कंपनी ने आज सीएनजी की कीमत में प्रति किलोग्राम एक रुपये की बढ़ोतरी कर दी। कीमत में हुई बढ़ोतरी के बाद अब राजधानी दिल्ली में 1 किलोग्राम सीएनजी की कीमत 77.09 रुपये हो गई है, जबकि पहले इसकी कीमत 76.09 रुपये प्रति किलोग्राम थी।

आयुष्मान वय वंदना योजना कार्ड का रजिस्ट्रेशन शुरू होने पर सचदेवा ने रेखा सरकार को दी बधाई

दिव्या दिल्ली : दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आज भाजपा सरकार द्वारा दिल्ली के सभी 70 साल के बुजुर्गों के लिए आयुष्मान योजना के अंतर्गत आयुष्मान वय वंदना योजना कार्ड के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू किए जाने पर मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता और उनके मंत्रिमंडल को बधाई दी। श्री वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश भर में 70 साल से अधिक बुजुर्गों के लिए मुफ्त इलाज का ऐलान किया था उसका पंजीकरण दिल्ली में आज से शुरू हो रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सभी 70 विधानसभाओं में आयुष्मान वय वंदना योजना कार्ड बनाया जाएगा। 70 मोबाईल वैन 70 विधानसभाओं में जाएंगी और बुजुर्गों को उनके द्वार पर पंजीकरण कर कार्ड दिए जाएँगे दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली के भाजपा कार्यकर्ता भी सरकार के इस अभियान में सहयोग देंगे और साथ ही दिल्ली के सभी भाजपा विधायक अपने क्षेत्र में कैम्प लगाकर इस अभियान और रजिस्ट्रेशन में सहयोग करेंगे। श्री सचदेवा ने कहा कि दिल्ली में 48 भाजपा विधायक हैं लेकिन हम सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में संगठन की ओर से कैम्प लगाकर इस अभियान को पूरा करेंगे। दिल्ली की जानता के लिए भाजपा सरकार हमेशा से ही तत्पर रही है और इस आयुष्मान वय वंदना कार्ड से दिल्ली के बुजुर्गों का मुफ्त इलाज होगा।

मंत्री प्रवेश वर्मा ने गोल्फ लिंक क्षेत्र का निरीक्षण कर 30 मई तक नालों की सफाई का भरोसा दिलाया

दिव्या दिल्ली : दिल्ली में शुक्रवार को 1901 के बाद मई महीने की दूसरी सबसे अधिक वर्षा दर्ज की गई, जिससे शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। आगामी मानसून से पहले इस संकट की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली सरकार ने त्वरित कार्रवाई की। शनिवार को दिल्ली सरकार के लोक निर्माण मंत्री श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने गोल्फ लिंक क्षेत्र का दौरा कर वहां चल रहे नाले, सीवर लाइन और सम-वेल निर्माण कार्यों का जायजा लिया। इस मौके पर उनके साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद श्रीमती बाँसुरी स्वराज भी मौजूद रहीं। मंत्री वर्मा ने स्पष्ट किया कि नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के अंतर्गत आने वाले सभी आवश्यक कार्य आदेश जारी किए जा चुके हैं और सभी कार्य 30 मई तक पूरे कर लिए जाएंगे, ताकि मानसून के दौरान जलभराव की स्थिति न बने। हम आज गोल्फ लिंक इसलिए आए हैं क्योंकि पिछले मानसून में यह इलाका पूरी तरह से जलमग्न हो गया था। इस बार हम पूरी तरह से तैयार हैं।

NDMC ने सभी आवश्यक वर्क ऑर्डर जारी कर दिए हैं और काम तेजी से चल रहा है,ह्व मंत्री वर्मा ने कहा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बताया कि यहां तीन नए सम-वेल बनाए जा रहे हैं, जहां पंप पहले ही लगाए जा चुके हैं, ताकि बारिश का पानी सीधे ड्रेनों में डाला जा सके। इसके अतिरिक्त, पिछले 10 दिनों से सुपर सकर मशीन के माध्यम से गहन सफाई कार्य भी किया जा रहा है।

CTI ने सार्वजनिक जगहों पर अवैध पोस्टरों को लेकर दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता को लिखा पत्र

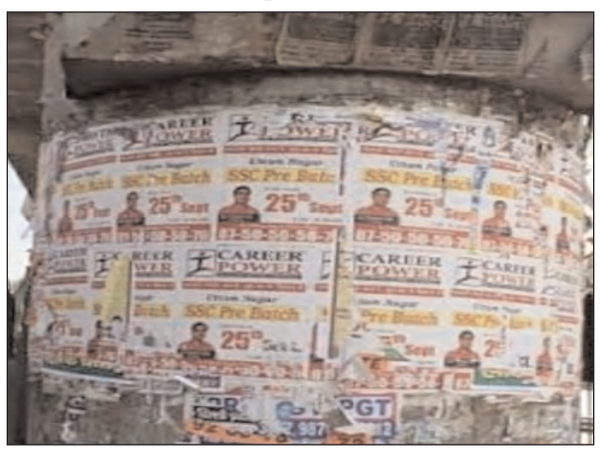

दिव्या दिल्ली : दिल्ली में बहुत-सी सार्वजनिक जगहों पर अवैध होर्डिंग, पोस्टर और बैनर लगे हैं। इससे राष्ट्रीय राजधानी की खूबसूरती मिट्टी में मिलती दिखाई पड़ती है। दिल्ली में व्यापारियों और उद्यमियों के शीर्ष संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (CTI) इस पर चिंता जताते हुए दिल्ली CM रेखा गुप्ता को पत्र लिखा है। सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल और वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक गर्ग ने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से गुहार लगाई है कि पोस्टर, होर्डिंग और बैनर पर दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम एक पॉलिसी बनाए और इनको तुरंत बैन करे नियमों की अवहेलना करने वालों पर एक्शन हो तमाम देशों के पर्यटक दिल्ली में घूमते हैं, यहां दूतावास हैं,
विदेशी सैलानी आते हैं, देशभर से टूरिस्ट दिल्ली घूमते हैं।उन्हें जहां-तहां पोस्टर, बैनर देखने को मिलते हैं, जिससे राष्ट्रीय राजधानी की छवि धूमिल होती है।
बृजेश गोयल ने कहा कि पूरी दिल्ली में मेट्रो के पिलरों पर अवैध पोस्टरों की भरमार है और ये पोस्टर जब धीरे धीरे फटकर नष्ट होने लगते हैं तो ये सड़कों पर गंदगी फैलाने के साथ साथ सीवर नालियों में भी जमा हो जाते हैं सीटीआई उपाध्यक्ष राहुल अदलखा और राजेश खन्ना ने बताया कि ऐतिहासिक इमारतें, सरकारी दफ्तर, बस अड्डे, बाजार, नुक्कड़ और चौराहों पर राजनीतिक और सामाजिक लोग प्रचार सामग्री लगा देते हैं। सीटीआई ने दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम से इसको लेकर एक सख्त कानून बनाने की मांग करते हुए दोषियों पर जुमार्ना और कार्रवाई करने की मांग की है

सदर बाजार शिफ्ट की बजाय रीडेवलप्ड करें- पम्मा व राकेश यादव

दिव्या दिल्ली : सदर बाजार स्विफ्ट को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का एक बयान आने से व्यापारियों में काफी दहशत है दहशत का माहौल बना हुआ है इसको लेकर फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन फेडरेशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा, अध्यक्ष राकेश यादव, महासचिव राजेंद्र शर्मा, सतपाल सिंह मांगा, कमल कुमार ने बताया मुख्यमंत्री के इस बयान आने से ही सुबह से मार्केट में दहशत का माल था। व्यापारी एक दूसरे को फोन कर कर इसकी जानकारी लेने में लग गए। परमजीत सिंह पम्मा व राकेश यादव दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से सदर बाजार व चांदनी चौक शिफ्ट वाले बयान पर अपना रुख स्पष्ट करने का निवेदन किया। जिससे मार्केट में दहशत का माहौल ना बने इससे मार्केट में इसको लेकर अफवाओं का माहौल गर्म हो गया है। उन्होंने कहा मार्केट को शिफ्ट करने की जरूरत नहीं है इसको रीडेवलप्ड इंफ्रास्ट्रक्चर दुरुस्त करने की जरूरत है।
जिससे मार्केट में आए दिन होने वाली समस्याओं से छुटकारा पा सके। पम्मा व राकेश यादव ने कहा वह जल्दी इस मुद्दे को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे और सदर के विभिन्न मुद्दों पर भी अपना ज्ञापन सौंपेंगे।

कम्युनिटी रेडियो सिर्फ मीडिया नहीं, सशक्तिकरण की प्रक्रिया है: डॉ. एल. मुरुगन

नई दिल्ली
केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने कहा कि कम्युनिटी रेडियो सिर्फ मीडिया नहीं, बल्कि यह शासन की सक्रियता के साथ ही व्यवहारिक सशक्तिकरण है। यह सम्मेलन केवल एक विचार-विमर्श मंच नहीं, बल्कि "जनता की आवाजों का उत्सव है। वास्तविक, प्रामाणिक और जमीनी आवाजें जो उन स्थानों से उठती हैं, जहां मुख्यधारा की मीडिया अक्सर नहीं पहुंचती। वह भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के सहयोग से मुंबई में शनिवार को आठवें राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। यह सम्मेलन मंत्रालय की प्रमुख पहल वर्ल्ड आडियो विजुअल एंटरटेनमेंट समिट-2025 (वेव्स) के अंतर्गत आयोजित हुआ।

एशियाई योगासन चैंपियनशिप में दिव्यांगों की भागीदारी मां शक्ति

दिव्या दिल्ली : इंदिरा गांधी स्टेडियम में दूसरे एशियाई योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने दिव्यांगों द्वारा दिव्यागता को सफलता में बदलते हुए रूप को नृत्य के द्वारा सराहा।इस चैंपियनशिप में २० से अधिक एशियाई देशों के शीर्ष खिलाड़ियों ने भाग लिया। योग का चमत्कार न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मां शक्ति अंतरराष्ट्रीय संस्था के दिव्यांगजनों ने नृत्य के द्वारा यह साबित कर दिया कि वह किसी से पीछे नहीं हैं और उन्होंने अपने शरीर की अक्षमताओं को योग और खेल के द्वारा क्षमताओं में बदल दिया।मां शक्ति ने बालवंत राय मेहता विद्या भवन एक समावेशी शिक्षा में अग्रणी संस्थान है, जो विशेष आवश्यकताओं वाले छात्रों को प्रोत्साहित और सशक्त बनाने के लिए समर्पित है, के ना सुनने और बोलने वाले बच्चों के साथ नृत्य करके सबको

मंत्र मुक्त कर दिया। जब समय से पहले गाना बंद हुआ क्योंकि बच्चे सुन नहीं सकते थे उन्हें पता ही नहीं लगा, तो कोरियोग्राफर श्रीमती लवली जी के अथक प्रयासों से सिखाए हुए दिव्यांगजन नृत्य करते रहे उनके उत्साह को देखकर सारा स्टेडियम तालिया की गड़गड़ाहट से गूंज गया, ऐसा लगता था मानो सभी दिव्यांग अपने नृत्य के द्वारा देश को और भारत मां को संसार में सबसे ऊंची शिखर पर ले जा रहे हैं' उन्होंने युग पुरुष माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को दिव्यांग शब्द देने के लिए धन्यवाद भी किया और साबित किया कि जिस तरीके से उनको दिव्यांग कहा गया है वह वास्तव में ही अपने दिव्य अंगों द्वारा देश के लिए पूर्ण रूप से समर्पित है।मां शक्ति की वूमेन एंपावरमेंट की टीम ने श्छउउ के साथ मिलकर, करोल बाग शाखा की टीम लीडर ममता जी के नेतृत्व में दिव्यांग कलाकारों को सुशोभित किया और उन्हें सौंदर्य और स्वास्थ्य में कोर्स करने के लिए एक स्पेशल डिस्काउंट और निशुल्क कूपन भी हर प्रोग्राम में वितरित करते रहते हैं ताकि ज्यादा से ज्यादा गरीब और जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य और सौंदर्य के क्षेत्र में रोजगार प्रदान किया जा सके ।मां शक्ति अंतरराष्ट्रीय संस्था की अध्यक्ष, जो खुद ९०% दिव्यांग और कैंसर सरवाइवर हैं, ने भारत मां बनकर नृत्य के द्वारा यह साबित किया कि दिव्यंका और कैंसर सेवा करने वालों को रोक नहीं सकता। यह प्रोग्राम योगासन भारत, एशियाई योगासन स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित किया गया था।फिट इंडिया राजदूत और राष्ट्रीय योगासन पैरा राष्ट्रीय न्यायाधीश,दिव्या आहूजा, ने दिव्यांगों की अद्भुत प्रतिभा को देखते हुए कहा मां शक्ति संस्था को आश्वासन दिया कि पेरा खेलो इंडिया में दिव्यांगों के हुनर को पूरे संसार में लाने के लिए वह भरपूर कोशिश करेंगी।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397